



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक्क समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डॉक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweetly

BY

MR

GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-234 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, रविवार, 18 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

चौथी मंजिल की दीवार ढही दो मजदूर सड़क पर गिरे



हादसे के बाद घटनास्थल को देखते पुलिसकर्मी। घायल मजदूर से घटना की जानकारी लेते पुलिस अधिकारी।

यूनिक्क समय, मथुरा। वृंदावन के रमणरेती इलाके में श्यामा-श्याम धाम के पीछे रविवार दोपहर एक निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल की दीवार तोड़ते समय बड़ा हादसा हो गया। अचानक पूरी दीवार ढहने से वहां काम कर रहे एक महिला और एक पुरुष मजदूर मलबे के साथ सड़क पर आ गिरे। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। उन्हें जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान महिला मजदूर की मौत हो गई। दूसरे मजदूर की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है।

रविवार दोपहर करीब एक बजे

महिला मजदूर की अस्पताल में मौत, दूसरे की हालत गंभीर

हादसे के बाद मची अफरा-तफरी, पुलिस ने शुरु की जांच

रमणरेती इलाके में एक इमारत के पुनर्निर्माण का काम चल रहा था। इस दौरान मजदूर चौथी मंजिल की दीवार तोड़ रहे थे। अचानक दीवार भरभराकर गिर पड़ी और उसके साथ दोनों मजदूर नीचे सड़क पर आ गिरे। हादसा होते ही



इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इमारत में काम कर रहे अन्य मजदूरों ने आनन-फानन में दोनों घायलों को जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों का उपचार शुरू किया, लेकिन महिला मजदूर ने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान रचना के रूप में हुई है, जबकि घायल पुरुष मजदूर का नाम कप्तान बताया गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों मजदूरों को चौक बाजार से मजदूरी करने के लिए लाया गया था। रचना की मौत की सूचना मिलते ही उसके परिजन

अस्पताल पहुंच गए। वहां परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ वृंदावन संदीप कुमार और कोतवाली प्रभारी भी जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे और हादसे के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने महिला मजदूर के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि इमारत की चौथी मंजिल पर काम करते समय दो मजदूर नीचे गिर गए थे। इनमें महिला मजदूर की मौत हो गई है, जबकि दूसरे का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच कराई जाएगी।

टंड से टिडुरे नहीं गौवंश इंतजाम दुरुस्त करें अफसर



गौ संरक्षण की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

यूनिक्क समय, मथुरा। सर्दी की आहट के साथ ही गौवंशों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने रविवार को ग्राम पैठा स्थित वृहद गौ संरक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ठंड से बचाव, पौष्टिक चारे और बीमार पशुओं के उपचार में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

डीएम ने शेड, पेयजल, साफ-सफाई, हरे चारे और भूसा भंडारण की स्थिति देखी। उन्होंने गौवंशों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और बीमार पशुओं को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। साथ ही सर्दी से बचाव के लिए पर्याप्त इंतजाम करने और गौवंशों को अधिकाधिक हरा चारा देने के निर्देश दिए। डीएम ने सीसीटीवी कक्ष और कैमरों का निरीक्षण कर सभी गौवंशों की ईयर टैगिंग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने

पैठा गौ संरक्षण केंद्र पर डीएम का औचक छापा व्यवस्थाएं परखी

बीमार पशुओं के इलाज से ईयर टैगिंग तक लापरवाही पर सख्त चेतावनी

चेताया कि गौवंशों की सेवा और संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए व्यवस्थाओं में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कमियां दूर कर इंतजाम बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम-ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम, नायब तहसीलदार गोवर्धन जयंती, ग्राम प्रधान सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पंचायत सहायक अब गांवों में तैयार करेंगे ग्राम उद्यमी

यूनिक्क समय, मथुरा। गांवों में रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पंचायत सहायकों की भूमिका बढ़ाई जा रही है। अब पंचायत सहायक गांवों में संभावित ग्राम उद्यमियों की पहचान कर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करेंगे। इच्छुक ग्रामीणों को उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में भी सहयोग दिया जाएगा। इससे गांवों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

इस पहल के तहत पंचायत सहायकों को गांव के ऐसे लोगों की पहचान करनी होगी, जो अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। इनमें छोटी दुकान, कृषि आधारित कारोबार, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य स्थानीय जरूरतों से जुड़े उद्यम शामिल हो सकते हैं। पंचायत सहायक इच्छुक लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन प्रक्रिया में मदद करेंगे।

ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सहायकों की ग्रामीणों से सीधी पहुंच होने के कारण इस व्यवस्था को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ग्रामीणों को स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी

ऋण दिलाने में करेंगे मदद

के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पंचायत सहायक पात्रता, जरूरी दस्तावेज और ऋण आवेदन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग कर सकेंगे। हालांकि, ऋण की राशि, ब्याज दर, पात्रता की शर्तें और संबंधित योजना के दिशा-निर्देशों के आधार पर ही लाभ मिलेगा। ऋण की स्वीकृति संबंधित बैंक या वित्तीय संस्था के नियमों के अनुसार होगी। पंचायत सहायक की भूमिका उद्यमियों की पहचान करने और उन्हें आवेदन प्रक्रिया से जोड़ने की होगी।

जनपद में इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण युवाओं और छोटे कारोबारियों को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। इससे गांवों में आर्थिक गतिविधियों को गति देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में मदद मिलने की संभावना है। डीपीआरओ धनजय जायसवाल ने बताया कि निदेशालय से मिले निर्देश के पालन में कार्रवाई कराई जा रही है।

नवरात्र में खरीदारी बढ़ी, करवाचौथ-धनतेरस के लिए बुकिंग शुरू

सोने-चांदी की कीमतें गिरी, सराफा बाजार में उछाल



कृष्णा नगर स्थित राधानी ज्वैलर्स पर खरीदारी करते ग्राहक।

यूनिक्क समय, मथुरा। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट और करीब एक माह से बने ठहराव ने सराफा बाजार में रौनक बढ़ा दी है। शारदीय नवरात्र के साथ शुरू हुए त्योहारी खरीदारी के दौर में ग्राहक एक बार फिर आभूषणों की दुकानों का रुख करने लगे हैं। करवाचौथ, धनतेरस और दिवाली को लेकर कारोबारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

पिछले साल 2025 के त्योहारी सीजन में सोने-चांदी की कीमतों में

लगातार तेजी और उतार-चढ़ाव के चलते खरीदारों ने खरीदारी सीमित कर दी थी। मध्यमवर्गीय परिवारों ने भारी आभूषणों के बजाय हल्के गहनों और सिक्कों को प्राथमिकता दी थी। इस बार कीमतों में नरमी से ग्राहकों का भरोसा लौटता दिखाई दे रहा है। कारोबारियों का कहना है कि लोग त्योहारों के साथ आगामी शादी-विवाह के लिए भी आभूषण खरीदने की तैयारी कर रहे हैं। सराफा बाजार में सोने का भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति

दस ग्राम और चांदी का भाव करीब 2.18 लाख रुपये प्रति किलोग्राम बताया जा रहा है। कारोबारियों के अनुसार, भाव में स्थिरता से ग्राहकों को खरीदारी का निर्णय लेने में सहूलियत मिल रही है।

कृष्णा नगर स्थित राधा रानी ज्वैलर्स के संचालक पवन अग्रवाल ने बताया कि नवरात्र से ठीक पहले कीमतों में नरमी आने और बाजार में स्थिरता रहने से ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी है। मध्यमवर्गीय परिवार भी अब

स्थिर भाव से मध्यमवर्ग को राहत, कारोबार में 30 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

ग्राहकों की बढ़ी आवाजाही, बुकिंग शुरू

अपनी जरूरत और बजट के मुताबिक खरीदारी कर रहे हैं। करवाचौथ के लिए नए डिजाइन के सेट और अन्य आभूषण पसंद किए जा रहे हैं, जबकि धनतेरस के लिए सोने-चांदी के सिक्कों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। त्योहार नजदीक आने के साथ बाजार में ग्राहकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

फरह के ज्वैलर्स मनीष सिंघल ने बताया, सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट ने कारोबार को नई गति दी है। नवरात्र में लोग त्योहारों के अलावा आगामी लगन और शादी-समारोहों के लिए भी आभूषण खरीद रहे हैं। ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए इस साल कारोबार में 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है।

जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म छह और सात पर नहीं है शौचालय

अन्य प्लेटफार्मों पर भी यात्रियों की संख्या के मुकाबले शौचालय की सुविधाएं हैं नाकाफी

शौचालयों की कमी से महिला यात्रियों को होती है सबसे ज्यादा परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में शामिल मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर शौचालयों की कमी यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। स्टेशन के कई प्लेटफार्मों पर पर्याप्त शौचालय नहीं होने के कारण स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि प्लेटफार्म संख्या 6 और 7 पर शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है

पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थियों को मिलेंगे पहचान पत्र

यूनिक समय, मथुरा। पीएमश्री योजना के तहत संचालित विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों को अब पहचान पत्र दिए जाएंगे। इसके लिए विद्यालय स्तर पर आवश्यक तैयारियों की जाएंगी। पहचान पत्र जारी होने से विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की पहचान करना आसान होगा। साथ ही विद्यालय की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित बनाने में भी मदद मिलेगी।

पीएमश्री विद्यालयों को आधुनिक शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां शैक्षिक गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। पहचान पत्र इसी व्यवस्था का हिस्सा होंगे। विद्यार्थियों के पहचान पत्र में उनकी आवश्यक जानकारी दर्ज की

नवरात्र में वृंदावन आए वृद्ध का शव यमुना में मिला

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस ने देवराहा बाबा आश्रम के समीप यमुना नदी से एक वृद्ध का शव बरामद किया। मृतक की पहचान गाजीपुर जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के अरिहर कलां निवासी राम अवध गुप्ता (65) के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, राम अवध हर वर्ष नवरात्र में देवराहा बाबा आश्रम आते थे। वह 15 अक्टूबर को भी गांव से वृंदावन के लिए निकले थे। पुलिस ने परिजनों को शव मिलने की सूचना दी, जिसके बाद वे मोर्चरी पहुंचे। परिजनों ने आशंका जताई कि स्नान के दौरान वह यमुना में डूब गए होंगे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया।

मथुरा-वृंदावन के पेड़ों की शुद्धता पर उठे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। धर्मनगरी मथुरा-वृंदावन अपने प्रसिद्ध पेड़ों के स्वाद और मिठास के लिए देशभर में पहचान रखती है। यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक पेड़े खरीदकर अपने साथ ले जाते हैं। मंदिरों में प्रसाद चढ़ाने से लेकर घर लौटते समय परिजनों और परिचितों को भेंट देने तक, मथुरा के पेड़ों की खास पहचान है। ऐसे में पेड़ों की गुणवत्ता और शुद्धता से जुड़ा कोई भी सवाल सीधे उपभोक्ताओं की चिंता से जुड़ जाता है।

इन दिनों पेड़े बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को लेकर चर्चा हो रही है। मैदा, सूजी, पाम ऑयल और बूरे के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए जा रहे



रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर शौचालयों की संख्या बढ़ाए जाने, प्लेटफार्म संख्या 6 और 7 पर नये शौचालय बनाए जाने का प्रस्ताव उच्चाधिकारियों को भेजा गया है। प्लेटफार्मों पर पर्याप्त शौचालय उपलब्ध नहीं होने का सीधा असर साफ सफाई पर पड़ता है।

— सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।

और कुछ यात्री मजबूरी में रेलवे ट्रैक पर ही गंदगी फैलाते हैं। इससे रेलवे परिसर की स्वच्छता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्लेटफार्म संख्या 6 और 7 पर शौचालय नहीं होने से यात्रियों को

जाएगी, जबकि शिक्षकों को भी उनकी पहचान से संबंधित कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।

पहचान पत्र होने से विद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों और विद्यार्थियों के बीच अंतर करने में सुविधा मिल सकती है। इसके अलावा शैक्षिक गतिविधियों, विद्यालयी कार्यक्रमों और अन्य प्रशासनिक कार्यों में भी इनका उपयोग किया जा सकेगा। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि विद्यालयों में पहचान पत्र वितरण की प्रक्रिया संबंधित दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी की जाएगी। हालांकि, पहचान पत्र जारी करने की समयसीमा, उनकी छपाई और वितरण की विस्तृत प्रक्रिया के संबंध में आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

प्लेटफार्म 2-3 और 9-10 पर भी पर्याप्त नहीं इंतजाम

स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 2-3 और 9-10 पर मात्र एक-एक शौचालय है। इन प्लेटफार्मों पर ट्रेनों की आवाजाही भी अधिक है। ऐसे में यात्रियों की सुविधा मिलने के बजाय परेशानी झेलनी पड़ती है। शौचालयों की कमी का सीधा असर स्टेशन की साफ-सफाई पर भी दिखाई देता है। यात्री प्लेटफार्मों पर ही गंदगी करते हैं। रेलवे ट्रैक पर गंदगी फैलने से न केवल स्टेशन का वातावरण दूषित होता है, बल्कि रेलवे परिसर को साफ रखने के प्रयासों पर भी असर पड़ता है।

महिला यात्रियों को उठानी पड़ती है सबसे ज्यादा परेशानी

शौचालयों की कमी का सबसे अधिक असर महिला यात्रियों पर पड़ता है। रेलवे स्टेशन पर शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा का पर्याप्त होना यात्रियों की सुविधा, स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ा विषय है। ऐसे में प्लेटफार्मों पर यात्रियों की संख्या और जरूरत को ध्यान में रखते हुए शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

सबसे अधिक दिक्कत तब होती है, जब उन्हें ट्रेन के इंतजार में लंबे समय तक प्लेटफार्म पर रुकना पड़ता है।

लंबी दूरी की ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों, बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। शौचालय

की सुविधा नहीं मिलने पर यात्रियों को जान जोखिम में डालकर पटरी पार कर दूसरे प्लेटफार्मों की ओर जाना पड़ता है। ट्रेन के आने का समय नजदीक होने पर यात्रियों के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो जाती है।

बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों में मारपीट

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं और निजी सुरक्षा कर्मियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। घटना के दौरान मौके पर अफरातफरी मच गई। मारपीट का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंदिर परिसर में किसी बात को लेकर श्रद्धालुओं और वहां तैनात निजी सुरक्षा कर्मियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान वहां मौजूद श्रद्धालुओं में हलचल

एंबुलेंस ने घायल किशोर को समय पर पहुंचाया अस्पताल

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र में राधाकुंड चौकी के समीप तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से मजदूरी कर लौट रहा 16 वर्षीय किशोर आकाश गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन पहुंचाया, जहां समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई।

बरसाना थाना क्षेत्र के गांव करेला निवासी आकाश मजदूरी कर घर लौट रहा था। इसी दौरान बाइक ने उसे टक्कर मार दी। लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी। ईएमटी विपिन और पायलट जसवंत ने चिकित्सक डॉ. सौरभ से संपर्क कर उपचार की व्यवस्था की। इसके बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

लात-घूंसे चलने से मची अफरातफरी इंटरनेट सोशल मीडिया पर वायरल

मच गई। मंदिर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल पर हुई इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। फिलहाल विवाद की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। वायरल वीडियो एक दिन पुराना बताया जा रहा है। इससे पूर्व भी कई बार मंदिर में श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद हो चुका है।



Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
मथुरा बूज में पहली बार

India's Most Advanced

CRRT

(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)

किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में



डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DrNB, Fellow Nephrology, IIRAV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ



CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT

CRRT उन गंभीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंदकर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरंतर उपचार की आवश्यकता होती है।

यह किस-किस स्थितिओं में मदद करता है?

- Kidney Failure
- Brain Injury
- Septic
- Poisoning
- Liver Failure
- Lung Failure
- Heart Failure
- और भी कई गंभीर स्थितियां

Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैंथलेस इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावेली, एन.एच. 19, मथुरा

साइबर ठगी से बचाव के लिए जीआरपी थाने पर लगा जागरूकता बोर्ड



थाने के बाहर साइबर ठगी के प्रति जागरूकता बोर्ड लगवाते जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। साइबर ठगी की बढ़ती घटनाओं के बीच लोगों को जागरूक करने के लिए रेलवे जीआरपी थाने पर बड़ा साइन बोर्ड लगाया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से लोगों को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने और ठगों के जाल में फंसने से बचने का संदेश दिया जा रहा है।

जीआरपी थाने पर लगाया गया यह साइन बोर्ड यात्रियों और आम लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने की पहल का हिस्सा है। मौजूदा समय में साइबर ठग फोन कॉल, फर्जी लिंक और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से लोगों को अपने जाल में फंसाने का प्रयास करते हैं।

ऐसे में जागरूकता के जरिए लोगों को सतर्क करना महत्वपूर्ण है। साइन बोर्ड लगाने का ठेका लखनऊ की एक निजी विज्ञापन कंपनी को दिया गया है। इसी तरह के चेतावनी और जागरूकता बोर्ड सिविल पुलिस के थानों के बाहर भी लगाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक साइबर अपराधों से बचाव का संदेश पहुंचाया जा सके। जागरूकता बढ़ने से लोग संदिग्ध फोन कॉल, संदेश और लिंक के प्रति सतर्क रह सकते हैं।

थाना प्रभारी निरीक्षक जीआरपी

ये सावधानियां

- हर खाते के लिए मजबूत पासवर्ड रखें
 - अपना ओटीपी या पिन गोपनीय रखें, इसे किसी से साझा न करें।
 - किसी भी लिंक को खोलने से पहले उसे जांचें
 - यूपीआई भुगतान से पहले उसे सत्यापित करें।
 - बैंक और कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें।
 - ठगी होने पर 1930 पर कॉल करें।
- ### ये चेतावनियां
- ओटीपी, पिन, सीडब्ल्यू किसी को न बताएं।
 - अंजान लिंक पर क्लिक न करें।
 - स्क्रीन शेयर या रिमोट एक्सेस न लें।
 - अनजान वयूआर कोड स्कैन न करें।
 - फर्जी निवेश या जल्दी अमीर बनने के लालच में न आएं।
 - डिजिटल अरेस्ट के डर से पैसे न भेजें।

प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि साइबर ठगों से सावधान रहने के लिए जीआरपी थाने पर जागरूकता बोर्ड लगाया गया है। चस्पा किया गया है। इससे लोग साइबर ठगी के प्रति जागरूक होंगे।

शिक्षकों को निर्वाचन ड्यूटी से मुक्त करने की संस्तुति न करें: बीएसए

यूनिक समय, मथुरा। विधानसभा निर्वाचन-2027 के अंतर्गत मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए संचालित विशेष अभियान, जनगणना कार्य और अन्य निर्वाचन संबंधी दायित्वों के निर्वहन में लगे कार्मिकों की ड्यूटी को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के अनुसार, बीएलओ के रूप में अथवा अन्य निर्वाचन संबंधी ड्यूटी में नियोजित शिक्षक-शिक्षिकाओं, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को विशेष और अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर ड्यूटी से मुक्त करने की संस्तुति नहीं की जाएगी।

बीएसए रतन कीर्ति द्वारा जारी निर्देश

में कहा गया है कि निर्वाचन संबंधी कार्य की महत्ता और समयबद्धता को देखते हुए किसी भी शिक्षक, शिक्षिका, शिक्षामित्र या अनुदेशक को आवंटित निर्वाचन ड्यूटी से मुक्त करने की सामान्य प्रक्रिया नहीं अपनाई जाए। यदि किसी कार्मिक को अत्यंत विशेष-अपरिहार्य परिस्थिति में ड्यूटी से मुक्त करना आवश्यक हो, तो संबंधित प्रकरण के तथ्यों और औचित्य का समुचित परीक्षण करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, ड्यूटी से मुक्त किए जाने की स्थिति में संबंधित कार्मिक के स्थान पर योग्य प्रतिस्थानी कार्मिक की व्यवस्था करना भी अनिवार्य होगा।



हैं। चर्चा है कि कुछ पेड़ा निर्माता मिठाई को दानेदार बनाने के लिए सूजी, बनावट में बदलाव लाने के लिए मैदा और चिकनापन बढ़ाने के लिए पाम ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, मिठास के लिए बूरे का प्रयोग किया जाता है। मथुरा-वृंदावन में पेड़ों की बड़ी मांग

रहती है। स्थानीय बाजारों के अलावा मंदिरों के आसपास की दुकानों से भी श्रद्धालु बड़ी मात्रा में मिठाई खरीदते हैं। ऐसे में पेड़ों में इस्तेमाल होने वाले दूध और खोया की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया, स्वच्छता और अन्य सामग्री की शुद्धता महत्वपूर्ण हो जाती है। दूसरी ओर, खाद्य

सपा नेता पर दुष्कर्म और 40 लाख वसूली के आरोप

युवती ने दिल्ली के मुखर्जी नगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

फ्लैट दिलाने का झांसा अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी के नेता राजेंद्र सिंह उर्फ फरारी के खिलाफ एक युवती ने दिल्ली के मुखर्जी नगर थाने में दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और करीब 40 लाख रुपये लेने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है। युवती ने फ्लैट दिलाने का झांसा देने, नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने और अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए धमकाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवती ने 24 सितंबर को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह दिल्ली के मुखर्जी नगर क्षेत्र में पीजी में रहकर पढ़ाई कर रही है। उसकी मुलाकात

मथुरा न्यायालय परिसर में राजेंद्र सिंह उर्फ फरारी पुत्र पदम सिंह, निवासी ग्राम नगला मोरा, तहसील गोवर्धन से हुई थी। आरोप है कि राजेंद्र ने खुद को अविवाहित बताते हुए मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण का फ्लैट सस्ते में दिलाने का भरोसा दिया। इसके लिए टोकन मनी के रूप में करीब 6.5 लाख रुपये ले लिए।

युवती का आरोप है कि एक होटल में नशीला पदार्थ देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

इस दौरान अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए गए। आरोप है कि इन तस्वीरों और वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया जाने लगा। युवती के मुताबिक, अलग-अलग माध्यमों से ऑनलाइन और नकद मिलाकर उससे करीब 40 लाख रुपये लिए गए। युवती ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। इसके अलावा दिल्ली स्थित उसके पीजी के सामने पहुंचकर हंगामा करने का भी आरोप लगाया है।

युवती से दुराचार कर अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। मांट थाना क्षेत्र में युवती को प्रेमजाल में फंसाकर दुराचार करने, अश्लील वीडियो बनाने और उसे इंटरनेट मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्रेमी समेत पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राथमिकी के अनुसार, युवती की करीब 15 वर्ष पूर्व गांव के ही शिवम उर्फ शिबू से दोस्ती हुई थी। आरोप है कि मई 2025 में शिवम उसे बहला-फुसलाकर वृंदावन के एक होटल में ले गया, जहां उसके साथ दुराचार कर वीडियो बना ली। करीब दस दिन बाद आरोपी उसके घर पहुंचा और वहां भी दुराचार कर वीडियो बनाने का आरोप

वीडियो हटाने के बदले मांगे तीन लाख रुपये

प्रेमी समेत पांच नामजदों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

है। युवती का आरोप है कि वीडियो हटाने के लिए कहने पर शिवम ने तीन लाख रुपये की मांग की। रकम नहीं मिलने पर वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दी।

पीड़िता ने शिवम उर्फ शिबू, उसके भाई साहिल, अमित, राहुल और भूपेश राघव के खिलाफ मांट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिकायत के आधार पर पुलिस मामले

की जांच कर रही है।

मंदिर में पूजा करने जा रहे व्यक्ति पर हमला, जिला अस्पताल रेफर

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव थाना क्षेत्र के गांव डिंगिया में मंदिर में पूजा करने जा रहे व्यक्ति पर हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में गंभीर घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, 17 अक्टूबर की सुबह संजय (45) गांव के माता मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में महादेव और एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों तथा चाकू से हमला कर दिया।

संजय गंभीर रूप से घायल होकर

लाठी-डंडों और चाकू से हमले का आरोप मुकदमा दर्ज

जमीन पर गिर पड़े। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने पुरानी मुकदमेबाजी और रंजिश को हमले की वजह बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



Green Gold Grocers
VEDIC AHAR



ROASTED DALIYA

**स्वाद में लाजवाब
सेहत में बेहतरीन
भुना दलिया।**

OUR PRODUCTS

- M.P Wheat Atta
- Missa Atta
- Murrura
- Roasted Daliya
- Multi Grain Atta
- Makka Atta
- Poha
- Kuttu Atta
- Multi Millet Atta
- Bajra Atta
- Sooji
- Maida

www.greengoldgrocers.com **8272013780**

अनाथ बच्चों की कृषि भूमि के इकरारनामे पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन थाना क्षेत्र के अड़ौग में अनाथ बच्चों की कृषि भूमि का कथित तौर पर इकरारनामा करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायालय के आदेश पर दर्ज मुकदमे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अड़ौग के सेहरा पाइसा मोहल्ला निवासी मदन गोपाल ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके छोटे भाई नवरत्न ने अपने हिस्से की कृषि भूमि की वसीयत अपने भाई दिनेश के नाम की थी। नवरत्न की 17 अक्टूबर 2022 को मृत्यु हो गई थी। उनकी पत्नी रंजना का भी निधन हो चुका है। दंपती के बच्चों तेजस्वी और धान, कार्तिक की देखभाल मदन गोपाल कर रहे हैं।

दिनेश की भी मृत्यु हो चुकी है।

मदन गोपाल का आरोप है कि दिनेश

कोर्ट के आदेश पर गोवर्धन थाने में दर्ज हुई रिपोर्ट

की पत्नी मीना और बेटे ललित ने बच्चों के हिस्से की कृषि भूमि का इकरारनामा आन्यौर निवासी महेश के पक्ष में कर दिया। इकरारनामे में आन्यौर निवासी धर्मेन्द्र और पुष्पांजलि उपवन निवासी अजय कुमार शर्मा को गवाह बनाया गया। आरोप है कि इस पर आपत्ति जताने पर संबंधित लोगों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मदन गोपाल ने मामले में कार्रवाई के लिए न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर गोवर्धन थाना पुलिस ने मीना, ललित, महेश, धर्मेन्द्र और अजय कुमार शर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

शेरगढ़ से दो माह से लापता अधेड़ का सुराग नहीं

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के बकरी वाला मोहल्ले से लापता 55 वर्षीय शाबिर का दो माह से अधिक समय बीतने के बाद भी पता नहीं चल सका है। वह इस्लाम के पुत्र हैं। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी थाने में दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शाबिर 10 अगस्त को घर से कहीं चले गए थे। परिजनों ने रिश्तेदारों और अन्य संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। लापता होने के समय उन्होंने मैरून टी-शर्ट और सफेद साफा पहन रखा था। उनकी लंबाई करीब पांच फुट छह इंच है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि उनके बारे में जानकारी मिलने पर सूचना दें।

ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो सवार महिला की मौत

यूनिक समय, मथुरा। फरह थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर रैपराजाट पुल के नीचे सर्विस रोड पर ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो सवार महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम पनवार, थाना रिफाइनरी निवासी मुन्ना के अनुसार, 12 अक्टूबर को वह अपनी मां के साथ टेंपो में बैठकर फरह की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टेंपो में टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मां के सिर, हाथ-पैर समेत शरीर पर गंभीर चोटें आईं। टेंपो चालक भी घायल हो गया।

घायलों को मौके पर मौजूद लोग

राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर हादसा, चालक के खिलाफ मुकदमा

रामा हॉस्पिटल, शहजादपुर ले गए, जहां कुछ देर बाद महिला की मौत हो गई। हादसे में टेंपो भी क्षतिग्रस्त हो गया।

ट्रैक्टर चालक कुछ देर रुकने के बाद भीड़ जुटने के डर से वाहन लेकर चला गया। मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रैक्टर का नंबर नोट कर लिया था। फरह थाने में 17 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार क्षेत्र में मथुरा-राया रोड पर गौरव ढाबे के सामने बीती रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

गांव लोहवन निवासी शुभम (20) रात करीब दस बजे बाइक से होटल पर खाना खाने जा रहा था। गौरव ढाबे के सामने उसकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसा देखकर आसपास मौजूद लोग एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की तलाशी लेकर मोबाइल आदि से परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 संकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP:- 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28 सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर

अब हम देंगे शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं

बच्चों में हृदय रोग के लक्षण

- सांस फूलना
- उचित आहार न ले पाना
- छाती में दर्द
- बार-बार सर्दी एवं खांसी होना
- जन्म के वक्त शिशु के वजन में कमी होना
- बार-बार निमोनिया होना
- दूध पीते वक्त ज्यादा पसीना आना
- होठ, नाखून व जीभ का नीला पड़ जाना
- हाथ टखनों व पैरों में सूजन

बच्चों में हृदय से संबंधित होने वाली प्रमुख बीमारियां निदान

- मायोकार्डिटिस (Myocarditis) हृदय की मांसपेशियों में होने वाली सूजन को कहते हैं। यह स्थिति आमतौर पर किसी वायरल संक्रमण (जैसे सामान्य सर्दी या फ्लू) के कारण होती है, जिससे हृदय की खून पंप करने की क्षमता कम हो जाती है और धड़कनें अनियमित हो सकती हैं।
- दिल में छेद (Heart Defect) आमतौर पर जन्मजात होता है, जो गर्भावस्था के 30 से 35 दिनों के दौरान भ्रूण का दिल ठीक से न बनने के कारण होता है।
- कावासाकी रोग (Kawasaki Disease) एक दुर्लभ बीमारी है जो मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसमें शरीर की रक्त वाहिकाओं (विशेषकर हृदय की कोरोनरी धमनियों) में सूजन आ जाती है, जिससे तेज बुखार और चकत्ते जैसे लक्षण उभरते हैं।

उपलब्ध सुविधाएं

Neonatal Echo

नवजात शिशुओं (जन्म से लेकर 28 दिनों तक के बच्चों) के हृदय की एक विशेष प्रकार की अल्ट्रासाउंड जांच होती है। यह जांच नवजात शिशु के दिल की बनावट, आकार, कार्यप्रणाली और रक्त प्रवाह की सटीक तस्वीर दिखाती है।

Pediatric Echo

टेस्ट में बच्चे के फीटस या फिर भ्रूण की संरचना, हृदय गति या इसकी लय का आकलन किया जाता है। इस टेस्ट के माध्यम से भ्रूण के हार्ट चैम्बर, वाल्व, रक्त वाहिकाएं और रक्त प्रवाह की जांच आसानी से हो सकती है।

अत्याधुनिक आपरेशन थियेटर | NICU-PICU | ब्लड बैंक | पैथोलॉजी

अकबरपुर, छाता, मथुरा **7055400400, 7088105741**

महाअष्टमी पर मां महागौरी की पूजा-अर्चना

देवी मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब



गांव गिरधरपुर स्थित महिषासुर मर्दिनी की पूजा करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी पर रविवार को कान्हा की नगरी में मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर परिवार

की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। महाअष्टमी के पर्व पर देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

शहर के कैंट काली मंदिर, रंगेश्वर वाली काली माता मंदिर, महाविद्या देवी मंदिर, बगलामुखी मंदिर, चामुंडा देवी

सुबह से ही मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

कैंट काली मंदिर से रंगेश्वर वाली काली माता मंदिर तक भक्तिमय रहा माहौल

मंदिर और कंकाली देवी मंदिर सहित प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां के समक्ष शीश नवाया। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी को पुष्प अर्पित किए और चुनरी चढ़ाकर परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मंदिरों में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुबह से ही मंदिरों में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। महाअष्टमी के

मां महागौरी की आराधना का विशेष महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी को शांति, पवित्रता और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि महाअष्टमी पर मां महागौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से भक्तों को सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्तों ने मां के चरणों में मत्था टेककर अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिरों में पूजा-अर्चना के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर जीवन में सुख-शांति बनाए रखने और परिवार को संकटों से बचाने की प्रार्थना की।

स्वामी घाट पर जर्जर मकान का छज्जा गिरा टला हादसा

यूनिक समय, मथुरा। शहर के स्वामी घाट क्षेत्र में पुराने और जर्जर मकान का छज्जा अचानक गिर गया। घटना के समय बाजार में लोगों की आवाजाही जारी थी। गनीमत रही कि छज्जे का हिस्सा किसी राहगीर पर नहीं गिरा और बड़ा हादसा टल गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। बताया गया कि मकान प्रमोद कुमार और बालमुकुंद का पुश्तैनी है। छज्जा गिरने के बाद आसपास के लोगों में हलचल मच गई।

घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने पुराने भवनों की जर्जर हालत पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि ऐसे मकानों के कमजोर हिस्से राहगीरों के लिए खतरा बन सकते हैं।

घटना की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारियों और पुलिस को अवगत कराया गया। इसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने सुरक्षा की दृष्टि से मकान के जर्जर हिस्से को हटवाया। स्थानीय लोगों ने शहर के पुराने भवनों की जांच कराने और खतरनाक हिस्सों की समय रहते मरम्मत कराने की मांग की है।



डायट में प्रधानाचार्यों की कार्यशाला लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर



कार्यशाला में प्रधानाचार्यों को जानकारी देते प्रशिक्षक डॉ. अखिलेश यादव।

यूनिक समय, मथुरा। विद्यार्थियों को लोकतंत्र, निर्वाचन प्रक्रिया और मताधिकार के प्रति जागरूक बनाने के लिए जिले के विद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) गठित किए जाएंगे। इसके गठन, पंजीकरण और संचालन की जानकारी देने के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में प्रधानाचार्यों की कार्यशाला आयोजित की गई।

भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी लखनऊ के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी- डीएम के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. अखिलेश यादव ने प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में प्रारंभ से ही संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया और मताधिकार के प्रति समझ विकसित करना जरूरी है।

डॉ. अखिलेश यादव ने गठन, पंजीकरण और संचालन की दी जानकारी

मतदाता साक्षरता क्लब लोकतंत्र की पाठशाला के रूप में काम करेंगे। इनके माध्यम से मतदाता सूची, मतदान का महत्व, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान और जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्यों की जानकारी दी जाएगी।

डॉ. यादव ने प्रधानाचार्यों से प्रत्येक विद्यालय में क्लब का गठन और पंजीकरण सुनिश्चित करने के साथ नियमित गतिविधियां संचालित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के नवाचार और गतिविधियां दूसरे संस्थानों के लिए प्रेरणा बनें, यही अभियान का उद्देश्य है।

388 नवचयनित होमगार्डों का मेडिकल, 23 अभ्यर्थी फेल

यूनिक समय, मथुरा। जिले में नवचयनित पुरुष होमगार्डों के चिकित्सा परीक्षण में 23 अभ्यर्थी असफल पाए गए हैं। जिला कमांडेंट होमगार्ड्स डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह के अनुसार, 12 से 17 अक्टूबर तक 393 अभ्यर्थियों को मेडिकल के लिए बुलाया गया था। इनमें पांच अनुपस्थित रहे, जबकि 388 का परीक्षण किया गया।

चिकित्सा परीक्षण में असफल अभ्यर्थियों ने मंडलीय चिकित्सा परिषद आगरा में अपील की है। इनका पुनः चिकित्सा परीक्षण 27 अक्टूबर को आगरा पुलिस लाइन में होगा। परिषद का निर्णय अंतिम

पांच पुरुष अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित, 27 अक्टूबर को आगरा में पुनः जांच

होगा। जिले में नवचयनित 96 महिला होमगार्डों का चिकित्सा परीक्षण 21 और 22 अक्टूबर को मथुरा पुलिस लाइन में किया जाएगा। 22 अक्टूबर को अनुपस्थित रहे महिला और पुरुष अभ्यर्थियों का भी मेडिकल होगा। इसके बाद जिला चिकित्सा परिषद बोर्ड समाप्त हो जाएगा।

औरंगाबाद में 20 अक्टूबर को होगा रावण मेला

यूनिक समय, मथुरा। औरंगाबाद में 20 अक्टूबर को रावण मेले का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। गोकुल बैराज रोड पर लगने वाले मेले को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेले में रावण दहन मुख्य आकर्षण रहेगा। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

जटपुरा में आशु-जरीना की बदहाली, दो मासूमों के साथ गुजर रही जिंदगी

राशन कार्ड है, लेकिन शौचालय और रोजगार की सुविधा नहीं

यूनिक समय, बाजना। सरकारी योजनाओं से गरीबों को पक्का मकान, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं देने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन नौहज़ील ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोलाहर के गांव जटपुरा में आशु और उनकी पत्नी जरीना का परिवार बदहाली में जीवन गुजार रहा है। जर्जर दीवारों और टीन की छत वाले घर में दो मासूम बच्चों के साथ रह रहे इस परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट है। हालात ऐसे हैं कि पेट भरने के लिए दूसरों के घरों से खाना लाना पड़ता है। आशु और जरीना के दो बच्चे



पक्के आवास के अभाव में टिन शेड में रहने वाली महिला।

हैं। बेटी दो साल की और बेटा महज एक साल का है। आर्थिक तंगी के बीच बच्चों की परवरिश करना परिवार के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। परिवार के पास राशन कार्ड तो है, लेकिन शौचालय और मनेरगा जॉब कार्ड की सुविधा नहीं है। सुरक्षित आवास के अभाव में परिवार को जर्जर मकान में दिन काटने पड़ रहे हैं।

परिवार की स्थिति सरकारी योजनाओं की पहुंच पर सवाल खड़े करती है। यदि आशु और जरीना

आवास, रोजगार तथा अन्य योजनाओं के पात्र हैं, तो उन्हें अब तक लाभ क्यों नहीं मिला? ग्राम पंचायत और खंड विकास कार्यालय के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर स्थिति का सत्यापन करना चाहिए। पात्रता के अनुसार आवास, शौचालय और रोजगार की सुविधा उपलब्ध कराने की कार्रवाई जरूरी है, ताकि दो मासूम बच्चों के परिवार को सम्मानजनक जीवन मिल सके।

नवरात्र से दिवाली तक कुर्ती सेट की बढ़ी मांग



कृष्णा नगर स्थित दुकान से कुर्ता पसंद करती महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र के साथ शहर के बाजारों में त्योहारों की रौनक बढ़ने लगी है। डांडिया-गरबा से लेकर दशहरा और दिवाली की खरीदारी के लिए महिलाएं और युवतियां कृष्णा नगर बाजार पहुंच रही हैं। इस बार कुर्ती और कुर्ती सेट की

कृष्णा नगर बाजार में छाए नए फैशन के रंग, महिलाएं कर रही खरीदारी

विभिन्न डिजाइनों की मांग देखने को मिल रही है।

ग्राहक अपनी पसंद, जरूरत और बजट

जैकेट और धोती पैट स्टाइल भी पसंद

राहुल गर्ग के अनुसार, जैकेट स्टाइल कुर्ती सेट, स्ट्रेट कुर्ती सेट और धोती पैट कुर्ती सेट की भी मांग है। इसके अलावा फ्रॉक स्टाइल, लॉन्ग स्ट्रेट और शॉर्ट कुर्ती के विकल्प भी उपलब्ध हैं। युवतियां नए ट्रेंड और आकर्षक डिजाइनों को पसंद कर रही हैं, जबकि कई महिलाएं पारंपरिक परिधानों को प्राथमिकता दे रही हैं।

कॉटन और रेयॉन कुर्तियों के विकल्प

बाजार में प्रिंटेड रेयॉन और कॉटन कुर्तियों की भी मांग बनी हुई है। रोजमर्रा के इस्तेमाल से लेकर पारिवारिक आयोजनों तक के लिए ग्राहक इन्हें पसंद कर रही हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि दशहरा और दिवाली नजदीक आने के साथ खरीदारी में और तेजी आएगी। त्योहारों के लिए नए परिधान खरीदने पहुंच रही महिलाओं और युवतियों से कृष्णा नगर बाजार और शहर के अन्य बाजार में चहल-पहल बढ़ने लगी है।

के अनुसार परिधान खरीद रही हैं।

कृष्णा नगर मार्केट स्थित न्यू बाबा सूट कलेक्शन के संचालक हितेश वासवानी ने बताया कि स्कर्ट कुर्ती, प्लाजो कुर्ती, पैट कुर्ती, शरारा और गरारा सेट ग्राहकों को पसंद आ रहे हैं।

त्योहारों पर पारंपरिक अंदाज के साथ आधुनिक फैशन का मेल पसंद किया जा रहा है।

डांडिया और गरबा आयोजनों के लिए भी महिलाएं आकर्षक परिधान चुन रही हैं।

12.19 करोड़ से संवरगा राधाकुंड श्यामकुंड और अष्टसखी कुंड



कार्यक्रम में मौजूद परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, पीठाधीश्वर महंत केशव दास, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन आदि।

यूनिक समय, राधाकुंड। गिरिराज परिक्रमा मार्ग स्थित राधाकुंड, श्यामकुंड और अष्टसखी कुंड का 12.19 करोड़ रुपये से कायाकल्प होगा। टाटा फाउंडेशन के सहयोग से हार्टफुलनेस विकास कार्य कराएगा। रविवार को मीरा मनोरंजन धर्मशाला में बैठक के बाद भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कुंडों को ब्रज की धार्मिक विरासत और आस्था का प्रतीक बताया। विधायक मेघश्याम सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और परिषद का आभार जताया। बैठक के आयोजक श्री पाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी के पीठाधीश्वर महंत केशव दास ने इनके संरक्षण को महत्वपूर्ण बताया।

ईको-रेस्टोरेशन प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि कुंडों में डी-वार्टरिंग, डी-सिल्टिंग और सौंदर्यीकरण होगा। समन्वय की जिम्मेदारी हरनीत हरिहरन निभाएंगी। भूमि पूजन में डीएम सीपी सिंह, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन, एडीएम डॉ. अमरेश कुमार, चेयरमैन रामफल मुंशी, एसडीएम सलोनी गौतम, ईओ कल्पना वाजपेयी और आचार्य ब्रज किशोर गोस्वामी

टाटा फाउंडेशन के सहयोग से कायाकल्प शुरू, परिषद करेगी निगरानी

गाद निकासी सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर जोर

शामिल रहे। दिवाकर वशिष्ठ, चंद्रिका राय, स्वदेश दास, प्रह्लाद दास, वासुदेव, कृष्णा दुबे, सतीश वशिष्ठ, डॉ. हर्षवर्धन गोस्वामी और ब्रज बिहारी मिश्रा मौजूद रहे। हार्टफुलनेस ने नुककड़ नाटक से स्वच्छता का संदेश दिया।

त्योहारों से पहले राया में जाम, घंटों रेंगते रहे वाहन



रविवार को जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, राया। त्योहारों से पहले राया कस्बे में यातायात व्यवस्था चरमराने लगी है। रविवार को मांट रोड और हाथरस मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी देर तक परेशानी झेलनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने भारी वाहनों के कस्बे में प्रवेश को जाम की प्रमुख वजह बताते हुए त्योहारों के दौरान हालात और बिगड़ने की आशंका जताई है।

स्थानीय निवासी कृष्णवीर चौधरी के अनुसार, बरेली राजमार्ग बनने के बावजूद भारी वाहन कस्बे के भीतर से गुजर रहे हैं। संकरी सड़कों पर भारी

भारी वाहनों के प्रवेश से बिगड़ी कस्बे की यातायात व्यवस्था

रेलवे फाटक बंद होते ही दोनों ओर लगती हैं कतारें

वाहनों की आवाजाही से यातायात बाधित होता है। इसके चलते छोटे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को निकलने में दिक्कत होती है। बाजारों में त्योहारों की खरीदारी के लिए भीड़ बढ़ने पर समस्या और गंभीर हो सकती है।

रेलवे फाटक बंद होते ही दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। फाटक खुलने के बाद भी यातायात सामान्य होने में काफी समय लगता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से भारी वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण लगाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

उनका कहना है कि त्योहारों के मद्देनजर समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि कस्बे के लोगों और बाजार आने वाले ग्राहकों को जाम से राहत मिल सके।

टैंक चौराहे पर ऑटो चालकों की मनमानी, जाम और हादसों का खतरा



यूनिक समय, मथुरा। शहर के टैंक चौराहे पर ऑटो चालकों की मनमानी से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई चालक बीच सड़क पर ऑटो खड़े कर सवारियों का इंतजार करते हैं और वहीं से सवारियां बैठाने लगते हैं। इससे सड़क पर निकलने वाले अन्य वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, चौराहे पर ऑटो खड़े रहने से सड़क पर आवागमन बाधित होता है। व्यस्त समय में स्थिति और अधिक परेशानी पैदा करती है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को निकलने के लिए रास्ता तलाशना पड़ता है। लोगों का कहना है कि निर्धारित स्थान पर

बीच सड़क पर ऑटो रोकने से बढ़ती परेशानी, तेज रफ्तार और अचानक मोड़ने से खतरा

ऑटो खड़े कराने की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि यातायात सुचारु बना रहे। शिकायत है कि कुछ ऑटो चालक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं, तेज आवाज में गाने बजाते हैं और बिना संकेत दिए अचानक मोड़ देते हैं या सड़क पर रोक देते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने यातायात पुलिस और प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग की है। उनका कहना है कि नियमों का पालन कराया जाए और सड़क पर बेतरतीब खड़े ऑटो के खिलाफ कार्रवाई हो, जिससे आम लोगों को राहत मिल सके।

जयपुरिया स्कूल में 500 बच्चों ने सजाया रामायण का मंच



यूनिक समय, मथुरा। सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल में भव्य बाल रामायण का मंचन किया गया। इसमें करीब 500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर

रामायण के प्रमुख प्रसंगों को जीवंत किया। कार्यक्रम को 1000 से अधिक दर्शकों और अभिभावकों ने देखा और बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। प्री-

प्राइमरी से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण की भूमिकाएं निभाईं। बच्चों के अभिनय, संवाद और

1000 से अधिक दर्शकों ने देखा बाल रामायण का मंचन नन्हे कलाकारों ने अभिनय से दिया संस्कारों का संदेश

आत्मविश्वास ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में जयपुरिया कॉर्पोरेट कार्यालय के पाठ्यचर्या और मूल्यांकन विभाग की महाप्रबंधक सुदेशना रॉय विशिष्ट अतिथि रहीं। भगवान दास स्मृति ट्रस्ट के सदस्य भी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ते हैं। बाल रामायण के माध्यम से प्रेम, साहस, सत्य, धर्म और संस्कारों का संदेश दिया गया।

UNICOM ADVERTISING Accredited by INS 30 Years of Expertise in Newspaper Advertising

Voice of Your Brand

Matrimonial Property Recruitment Education Business Name Change Public Notice Obituary Remembrance And Other Ad

GET FREE CONSULTATION NOW

साक्षी आपके सफ़र का, आवाज़ आपके इरादों की

+91 9719769738 +91 9837115157

unicomadvertising.com

संत रमेश बाबा के योगदान को किया याद



अग्रवाल सेवा सदन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पद्मश्री रमेश बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते ब्लॉक प्रमुख चौधरी प्रतीक सिंह भरंगर।

यूनिक समय, बलदेव। रमेश बाबा के निकुंजवासी होने पर रविवार को अग्रवाल सेवा सदन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इसमें संतों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। वक्ताओं ने उनके आध्यात्मिक योगदान को याद करते हुए भक्ति, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

ब्रह्मचारी स्वदेश ने कहा कि संतों का जीवन समाज को धर्म, आध्यात्मिकता और मानव सेवा की प्रेरणा देता है। उनके उपदेश और साधना सदैव समाज का मार्गदर्शन करते रहते हैं। ब्लॉक प्रमुख चौधरी प्रतीक सिंह भरंगर ने कहा कि रमेश बाबा का आध्यात्मिक जीवन और भक्ति परंपरा श्रद्धालुओं को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

सभा में चेयरमैन मुरारी लाल अग्रवाल, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष

अग्रवाल सेवा सदन में श्रद्धांजलि सभा, संतों और गणमान्य लोगों ने अर्पित किए श्रद्धा-सुमन

सोलंकी, अनुज उपमन्यु, अमित भारद्वाज, संजीव अग्रवाल, देवकीनंदन गर्ग, नेताजी, डॉ. जगदीश पाठक, रिकू सोनी, नारायण गोयल, धर्मेन्द्र उपाध्याय, छैल बिहारी गोयल, विशाल अग्रवाल, नरेंद्र गोयल, मनोज बंसल, सुधीर अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, विकास अग्रवाल, संदीप बंसल, सुनील गर्ग, विनोद कुमार, मनोज अग्रवाल, गिरधारी मोदी, शिवा उपाध्याय, बलराम पांडे, सोनू भैया, नवीन अग्रवाल, सुरेश उपाध्याय, करन कटारा, श्याम बिहारी पाराशर, हरिमोहन गर्ग, सुनील गोयल, विनय अग्रवाल और बंटू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संचालन पवन गोयल ने किया।

पीएमश्री स्कूलों में छात्राओं के लिए बनेंगे पैड बैंक

यूनिक समय, मथुरा। पीएमश्री विद्यालयों में छात्राओं को माहवारी के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने के लिए पैड बैंक बनाए जाएंगे। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के तहत सैनिटरी पैड, साबुन, तौलिया और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस्तेमाल किए गए पैड के सुरक्षित निस्तारण के लिए ढक्कन वाले कूड़ेदान भी रखे जाएंगे। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि इसी महीने के अंत तक सभी पीएमश्री विद्यालयों में यह व्यवस्था पूरी करने का लक्ष्य है।

इससे छात्राओं को जरूरत के समय सैनिटरी पैड उपलब्ध हो सकेंगे और उन्हें असहजता के कारण पढ़ाई प्रभावित होने जैसी स्थिति का सामना

माहवारी में नहीं रुकेगी पढ़ाई, साबुन-तौलिया भी मिलेंगे

महीने के अंत तक व्यवस्था पूरी करने का लक्ष्य

नहीं करना पड़ेगा। विद्यालयों में माहवारी के दौरान आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं होने से छात्राओं को परेशानी होती है। पैड बैंक, साबुन और तौलिया जैसी सुविधाओं से उन्हें स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और विद्यालयों में सुरक्षित व सहज वातावरण उपलब्ध कराना है।

रामलीला मैदान में दस मिनट तक मचा बवाल, पुलिस नदारद



रामलीला मैदान में कुर्सी फेंकते युवक।

यूनिक समय, कोसीकलां। रामलीला मैदान में शनिवार रात दर्शक दीर्घा में बैठने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। करीब 10 मिनट तक कुर्सीयां फेंकी गईं और भगदड़ जैसे हालात बने रहे, लेकिन मौके पर पुलिसकर्मी नजर नहीं आए। रामलीला संस्थान के पदाधिकारियों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग कराया। घटना ने रामलीला मैदान में पुलिस ड्यूटी की

कुर्सीयां चलीं, मची भगदड़, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

आगामी मेलों से पहले पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

सोमवार को गोमती सरोवर बनेगा समुद्र

यूनिक समय, कोसीकलां। रामलीला महोत्सव का सबसे अलौकिक दृश्य सोमवार को तांगड़ा मोहल्ला स्थित भगवती मंदिर गोमती सरोवर पर साकार होगा। जब भगवान श्रीराम सैकड़ों दीयों की रोशनी में डोंगा (नौका) पर सवार होकर लंका के लिए प्रस्थान करेंगे।

डोंगा लीला को लेकर रामलीला संस्थान ने तैयारियां पूरी कर ली हैं, तो वहीं कोसीकलां पुलिस ने भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अभेद्य सुरक्षा चक्र बना दिया है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस ने चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। गोमती सरोवर पर किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए विशेष गोताखोरों की टीम, स्टीमर बोट और अतिरिक्त

डोंगा पर लंका जाएंगे श्रीराम, पुलिस ने संभाला मोर्चा

पुलिस बल तैनात किया गया है। हादसे की आशंका को देखते हुए गोमती सरोवर के पुल पर श्रद्धालुओं का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। छेड़खानी और अव्यवस्था रोकने के लिए कुंड के चारों ओर सादे कपड़ों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जो हर गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे। पुलिस की इस चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था से हजारों श्रद्धालु आज पूरी तरह सुरक्षित माहौल में डोंगा लीला के साक्षी बन सकेंगे।

41 साल से अखंड आस्था की ज्योति, रातभर गूंजे जयकारे

रामनगर सेवा समिति के 41वें जागरण में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भजनों पर झूमे श्रद्धालु महाआरती के बाद हुआ भंडारा

यूनिक समय, कोसीकलां। आस्था, परंपरा और भक्ति का अनूठा संगम शनिवार रात रामनगर स्थित महावीर बगीची में देखने को मिला। रामनगर सेवा समिति की ओर से आयोजित 41वें विशाल मां भगवती जागरण में श्रद्धालु रातभर माता की भक्ति में लीन रहे। चार दशक से अधिक समय से लगातार जागरण की परंपरा निभा रही समिति ने धार्मिक आयोजन के माध्यम से आस्था की अखंड ज्योति को प्रज्वलित रखा है। भजनों, आकर्षक झांकियों और माता के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया।

करीब 41 साल पहले रामनगर के कुछ युवाओं ने छोटे स्तर पर दीये और



जागरण में मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर वाण्यो को मां भगवती का चित्रपट भेंट करते कमेटी के सदस्य।

ढोलक के साथ मां भगवती का जागरण शुरू किया था।

समय के साथ यह आयोजन कोसीकलां की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल हो गया। शुरुआत करने वाले कई लोग अब उम्रदराज हो चुके हैं, लेकिन उनके द्वारा शुरू की गई परंपरा को नई पीढ़ी आगे बढ़ा रही है। समिति के सदस्यों का समर्पण इस आयोजन को निरंतर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहा है।

शनिवार शाम आठ बजे पंडितों ने

ड्यूटी के बावजूद पुलिस की गैरमौजूदगी पर सवाल

सवाल है कि घटना के समय तैनात पुलिसकर्मी कहाँ थे और हंगामे की सूचना मिलने पर भी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे? हालांकि, ड्यूटी और पुलिस की मौजूदगी को लेकर स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। रामलीला संस्थान के संयोजक खगेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि मेले में पुलिस व्यवस्था केवल खानापूर्ति बनकर रह गई है।

उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से लापरवाही की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगले कुछ दिनों में काली मेला, दशहरा और भरतमिलाप जैसे बड़े आयोजन होने हैं। इनमें भारी भीड़ जुटने की संभावना है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करना जरूरी है।

व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब नौ बजे सीता हरण लीला शुरू होने वाली थी। इसी दौरान दो युवकों के बीच बैठने को लेकर विवाद हो गया।

देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग जुट गए और मारपीट शुरू हो गई। मैदान में रखी प्लास्टिक की

कुर्सीयां फेंकी जाने लगीं। दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई। महिलाएं बच्चों को लेकर भागीं, जबकि बुजुर्ग भीड़ के बीच फंस गए। लोगों के पुलिस को बुलाने की आवाज लगाने के बावजूद मौके पर पुलिसकर्मी नहीं पहुंचे। अंततः रामलीला संस्थान के पदाधिकारियों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली।

रामलीला मैदान में 19 को होगा झंडा पूजन

21 से शुरू होगा ब्रज नवयुवक क्लब का ऐतिहासिक भगत प्रदर्शन

राठौड़ की वीर गाथा, 22 को इंदल हरण और 23 अक्टूबर को हरिश्चंद्र तारामती का मंचन होगा। जमुना प्रसाद चौधरी ने बताया कि ब्रज नवयुवक क्लब की यह परंपरा सवा सौ साल से भी अधिक पुरानी है, जिसे नई पीढ़ी पूरी निष्ठा से आगे बढ़ा रही है। ढोलक, नगाड़ा और हारमोनियम की थाप पर होने वाले इस प्रदर्शन को देखने के लिए दूर-दूर से हजारों दर्शक रामलीला मैदान में उमड़ते हैं। इस बार मंच को और अधिक भव्य बनाया जा रहा है।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु सुबह हुई महाआरती

दिल्ली और ब्रज के प्रसिद्ध भजन गायकों ने मां भगवती के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजनों की मधुर धुनों पर महिलाएं, युवा और बुजुर्ग झूमते नजर आए। रातभर चले जागरण में भक्तों ने माता के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। रविवार सुबह चार बजे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हाथों में ज्योति लेकर महाआरती में भाग लिया। एक साथ प्रज्वलित ज्योतियों और गगनभेदी जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा।

कई श्रद्धालु भावुक नजर आए। इसके बाद रविवार सुबह विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी दिया।

बच्चों की सजगता से टली अनहोनी, आरोपी पुलिस के हवाले

यूनिक समय, कोसीकलां। तालाब शाही के माली मोहल्ल क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक युवक ने पड़ोस की मासूम बच्ची को बहला-फुसलाकर गलत नीयत से घर के अंदर ले जाने का प्रयास किया। गली में खेल रहे बच्चों की सजगता से मामला समय रहते सामने आ गया। सूचना पर पहुंची बच्ची की मां उसे सकुशल घर से बाहर ले आईं। मां को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया। बाद में किन्नर समाज के लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार दोपहर किन्नर समाज के लोग बधाई मांगने बाजार गए हुए थे। घर पर उनके यहां काम करने वाला युवक अकेला था। इसी दौरान उसने पड़ोस की बच्ची को बहला-फुसलाकर घर के अंदर ले जाने का प्रयास किया। गली में खेल रहे कुछ बच्चों ने बच्ची को युवक के साथ घर में जाते देख लिया। उन्हें संदेह हुआ तो उन्होंने तुरंत बच्ची की मां को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही मां

गली में खेल रहे बच्चों ने मां को दी सूचना किन्नर समाज ने पकड़ा

पुलिस ने हिरासत में लेकर शुरु की मामले की जांच

घबराई हुई हालत में किन्नर के घर पहुंची और गेट खुलवाकर बच्ची को सकुशल बाहर निकाल लिया। मां को सामने देख आरोपी वहां से भाग निकला। किन्नर समाज की मुखिया मायाबाई ने बताया कि घटना के समय घर पर कोई नहीं था। सभी लोग बधाई मांगने गए थे और युवक अकेला था। उन्होंने बताया कि रात में आरोपी को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके। वहीं, प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है। पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर मिलने पर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

दहेज में कार की मांग, विवाहिता से मारपीट का आरोप

यूनिक समय, सुरीर। दहेज में कार की मांग को लेकर विवाहिता का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करने के आरोप में न्यायालय के आदेश पर पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सुरीर कोतवाली क्षेत्र के गांव राजागढ़ी निवासी तसलीम ने रिपोर्ट में बताया कि उसका निकाह 18 मई 2026 को अलीगढ़ के गांधी पार्क थाना क्षेत्र के कमालपुर निवासी फिरोज के साथ हुआ था। पिता ने निकाह में करीब 15 लाख रुपये खर्च कर आभूषण, नकदी और घरेलू सामान दिया था। आरोप है कि इसके बावजूद पति फिरोज, जेठ मुख्तार व मासा अल्लाह, सास बिसमिल्लाह, ससुर जलालुद्दीन और जेठानियों समीरा व मौमिना अतिरिक्त दहेज में कार और सोने की अंगूठी मांगने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की गई

न्यायालय के आदेश पर पति समेत ससुरालीजनों पर रिपोर्ट

और कमरे में बंद कर भूखा रखा गया। पीड़िता के अनुसार, परिजनों ने ससुरालीजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। पांच अगस्त 2026 को उसके साथ फिर मारपीट कर गाड़ी से टैटीगांव तिराहे पर छोड़ दिया गया। आरोप है कि सुरीर कोतवाली में शिकायत करने और 10 सितंबर को एसएसपी को डाक से प्रार्थना पत्र भेजने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय की शरण ली गई।

पुलिस के अनुसार, न्यायालय के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सेवा भारती ने बाल्मीकि बस्ती में रचा समरसता का संगम

यूनिक समय, कोसीकलां। नवरात्रि में जब पूरा नगर देवी आराधना में लीन था, तब सेवा भारती ने बाल्मीकि बस्ती में सनातन संस्कार और सामाजिक समरसता की ऐसी अलख जगाई कि पूरी बस्ती जय माता दी के जयकारों से गूंज उठी। रविवार को सेवा भारती द्वारा बस्ती में भव्य कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बठैनगेट स्थित बाल्मीकि मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने बस्ती की 25 से अधिक नव्ही देवियों को घर-घर से सम्मान के साथ मंच तक लाया। सभी कन्याओं के चरण धोकर, माथे पर रोली-चंदन का तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर और पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। पूजन के बाद सभी कन्याओं को पंक्ति में बैठकर शुद्ध देसी घी का हलवा, पूरी, चना, खीर और फलों का प्रसाद बड़े प्रेमभाव से परोसा गया। दो दर्जन से अधिक कन्याओं और लांगुरों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। भोजन के बाद

25 कन्याओं के पूजन से गूंजी बस्ती

दक्षिणा और उपहार देकर कार्यकर्ताओं ने कन्याओं से आशीर्वाद लिया। सेवा भारती के पदाधिकारी ने कहा कि हमारी कोशिश है कि कोई भी बस्ती, कोई भी समाज उपेक्षित न रहे। बाल्मीकि समाज हमारे सनातन धर्म की रीढ़ है। कन्या पूजन के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि हर बेटे में देवी का वास है और हर बस्ती में भारत बसता है। सेवा ही हमारा धर्म है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण के साथ समरसता भोज का भी आयोजन किया गया। इस दौरान बस्ती के बुजुर्गों ने कहा कि आज तक इस तरह से किसी संगठन ने बस्ती में आकर इतने सम्मान के साथ कन्याओं का पूजन नहीं किया। इस मौके पर भाजपा नेता तरुण सेठ, राजेश अग्रवाल, धर्मवीर पंडित, मनोज ढल, लक्ष्मी नारायण चंदेल, अशोक आचार्य, ममता चंदेल सभासद आदि मौजूद रहे।

सुविचार



"खुशी पहले से बनी-बनाई कोई चीज़ नहीं है, यह आपके अपने कर्मों से आती है।"

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	08:28-10:52 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उ. आषाढ़	12:48-03:38 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:21 AM	चन्द्रोदय	01:44 AM
सूर्यास्त		5:47 PM	चन्द्रास्त	12:25 PM
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM-12:41 PM	ब्रह्म मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:47 AM-09:13 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

गिरधरपुर देवी मंदिर में विराजमान हैं महिषासुर मर्दिनी मां



गांव गिरधरपुर में विराजमान महिषासुर मर्दिनी मां।

यूनिक समय, मथुरा। शहर के गोवर्धन मार्ग स्थित गिरधरपुर गांव में देवी मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर में विराजमान मां महिषासुर मर्दिनी की प्रतिमा को 5500 वर्ष से अधिक

पुरानी माना जाता है। यहां मां की पूजा महिषासुर सहित दानवों का वध करने वाली देवी के रूप में की जाती है। मंदिर के महंत वासु पंडित के अनुसार, मां की प्रतिमा स्वयंभू है। मान्यता है कि यह

प्रतिमा किसी के द्वारा स्थापित नहीं की गई, बल्कि मां की दिव्य शक्ति धरती से प्रकट हुई।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गोवर्धन पर्वत उठाने से पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने भी इस मंदिर में मां की पूजा-अर्चना की थी। मां के



आशीर्वाद से जुड़ी यह मान्यता मंदिर की धार्मिक महत्ता को और बढ़ाती है। इसी आस्था के चलते नवरात्र के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं।

चैत्र नवरात्र में मंदिर परिसर में विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में दंगल और रसिया कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से ब्रज की पारंपरिक संस्कृति और लोक परंपराओं की झलक देखने को मिलती है।



मंदिर के महंत वासु पंडित।

नवरात्र के अलावा प्रत्येक रविवार को भी भक्त मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि सच्चे मन से मां महिषासुर मर्दिनी की पूजा-अर्चना करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के चलते गिरधरपुर देवी मंदिर क्षेत्र के साथ-साथ दूर-दराज से आने वाले भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

5500 वर्ष से अधिक प्राचीन मानी जाती प्रतिमा रविवार को भी दर्शन करने पहुंचते हैं श्रद्धालु

चामुंडा माता मंदिर में कल सजेगा फूल बंगला, होंगे विशेष दर्शन



यूनिक समय, मथुरा। गायत्री तपोभूमि के सामने स्थित चामुंडा माता मंदिर में सोमवार को फूल बंगला सजाया जाएगा। इसमें मां के विशेष शृंगार के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजन को लेकर मंदिर में तैयारियां की जा रही हैं। दिनभर धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना होगी।



महंत आनंद देव

मंदिर के महंत आनंद देव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 5:30 बजे मंगला आरती से होगी। सुबह छह बजे दुर्गा कवच का पाठ किया जाएगा। दोपहर दो बजे मां का पंचामृत अभिषेक होगा। शाम पांच बजे विशेष शृंगार के बाद फूल बंगला के दर्शन शुरू होंगे। रात नौ बजे मां की महाआरती आयोजित की जाएगी। महंत आनंद देव ने बताया कि फूलों से सजे बंगले में मां का मनमोहक शृंगार भक्तों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। श्रद्धालु मां के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। आयोजन के दौरान मंदिर में भक्तिमय वातावरण रहेगा।

रावण दहन के खिलाफ उतरे लंकेश भक्त, करेंगे महाआरती

यूनिक समय, मथुरा। विजयदशमी पर मंगलवार को यमुनापार स्थित जय श्री लंकेश्वर महादेव मंदिर में महापंडित रावण की महाआरती की जाएगी। लंकेश भक्त मंडल की ओर से रावण के पुतला दहन का विरोध भी किया जाएगा। कार्यक्रम शमशान घाट के निकट यमुना तलहटी स्थित मंदिर परिसर में होगा।

लंकेश भक्त मंडल के अध्यक्ष ओमवीर सारस्वत एडवोकेट ने बताया कि



श्री लंकेश्वर महादेव मंदिर में स्थापित महापंडित रावण की प्रतिमा।

लंकेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार को जुटेंगे रावण भक्त, होगा मंत्र जाप

मंगलवार सुबह दस बजे त्रिकालदर्शी महाराज दशानन की महाआरती की जाएगी। उन्होंने कहा कि रावण भगवान शिव के अनन्य भक्त और भगवान श्रीराम के आचार्य थे। मंडल का

कहना है कि हर वर्ष रावण का पुतला जलाने से ब्राह्मण समाज का अपमान होता है। उन्होंने रावण दहन करने वालों के आचरण पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक संगीत मंडली द्वारा 'हरे राम- हरे राम, महामंत्र का जाप किया जाएगा। मंडल ने लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

दशहरे से पहले घर में लगाएं चार शुभ पौधे, सुख-समृद्धि और खुशहाली का है प्रतीक

यूनिक समय, मथुरा। दशहरे का पर्व बुवाई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस अवसर पर घरों में पूजा-पाठ और साफ-सफाई के साथ शुभ पौधे लगाने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं और वास्तु शास्त्र के अनुसार शमी, अपराजिता, तुलसी और केले के पौधे घर में सकारात्मक वातावरण, सुख-शांति और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि, इन पौधों को लगाने से धन बढ़ने की गारंटी नहीं है, बल्कि यह धार्मिक आस्था और



परंपराओं से जुड़ा विश्वास है।

धार्मिक मान्यताओं में शमी के पौधे

शमी और अपराजिता का पौधा माना जाता है शुभ तुलसी और केले के पौधे से जुड़ी हैं मान्यताएं

का विशेष महत्व बताया गया है। इसे भगवान राम से जुड़ी परंपराओं के कारण पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि घर के मुख्य द्वार के पास उचित स्थान पर शमी लगाने से

सकारात्मकता बनी रहती है। वहीं, अपराजिता के नीले फूल सुंदरता और शांति का प्रतीक माने जाते हैं। इसे घर में लगाने से वातावरण आकर्षक बनता है और मन को सुकून मिलता है। तुलसी को हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। वास्तु संबंधी मान्यताओं के अनुसार, इसे घर के उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। नियमित देखभाल और पूजा से जुड़ी परंपरा परिवार में आस्था और अनुशासन को बढ़ावा देती है। केले के

पौधे का भी धार्मिक अनुष्ठानों में विशेष स्थान है। इसे सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि केले के पौधे की सेवा करने से घर में बरकत बनी रहती है। दशहरे से पहले इन पौधों को लगाते समय उनकी जरूरत के अनुसार धूप, पानी और पर्याप्त जगह का ध्यान रखना चाहिए। पौधों की देखभाल घर को हरियाली से भरने के साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी बढ़ाती है।

हाथी पर आई मां दुर्गा, मुर्गे पर विदाई को लेकर चर्चा



यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के आगमन और प्रस्थान के वाहनों को लेकर धार्मिक मान्यताओं की चर्चा हो रही है। इस बार माता रानी का आगमन हाथी पर होने को सुख-समृद्धि, शांति और अच्छी वर्षा का प्रतीक माना जा रहा है। वहीं, मुर्गे पर प्रस्थान की मान्यता को लेकर ज्योतिषीय दृष्टिकोण से अलग-अलग संकेत बताए जा रहे हैं।

अयोध्या के ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम के अनुसार, धार्मिक मान्यताओं में हाथी की स्थिरता, समृद्धि और वर्षा से जोड़कर देखा जाता है। माता रानी का हाथी पर आगमन शुभ संकेत माना जाता है। श्रद्धालु इसे सुख-समृद्धि और सकारात्मकता की कामना से जोड़ते हैं। हालांकि, ये धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, इन्हें निश्चित भविष्यवाणी नहीं माना जाना चाहिए।

हाथी पर आगमन शुभता का प्रतीक

मुर्गे पर विदाई और आचरण सुधारने का संदेश

पंडित कल्कि राम के मुताबिक, माता रानी के मुर्गे पर प्रस्थान को कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं में अशुभ संकेत माना जाता है। हालांकि, इससे किसी आपदा या संकट की निश्चित आशंका नहीं जताई जा सकती। उन्होंने नवरात्र को केवल पूजा और व्रत का पर्व न मानकर अपने व्यवहार में सुधार लाने का अवसर बताया। उनके अनुसार, महिलाओं, माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना, अनुशासन अपनाना और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना ही पर्व की सार्थकता है।

सम्पादकीय

सड़कों पर अनुशासन
को कौन पूछे जनाब

अनुशासन बड़ा नाजुक होता है। इसे बनाने में बरसों लगते हैं, लेकिन बिगाड़ने के लिए किसी एक की जल्दबाजी ही काफी है। मथुरा की सड़कों पर निकल जाइए, तो इस बात के दर्शन जगह-जगह हो जाएंगे। कहीं वाहन चालक कतार तोड़कर आगे निकलने की कोशिश में हैं, कहीं गलत दिशा से वाहन घुसा देने की होड़ है, तो कहीं थोड़ी-सी जगह मिलते ही लोग ऐसे टूट पड़ते हैं, मानो सड़क नहीं, मुफ्त में बंटने वाला कोई खजाना हो। जाम में फंसे लोग भले ही व्यवस्था को कोसते रहें, लेकिन जाम बढ़ाने में अपनी

पवन गौतम
संपादक

भूमिका पर विचार करने की फुर्सत किसी के पास नहीं। एक वाहन चालक ने रास्ता बनाया नहीं कि पीछे चल रहे कई लोग भी उसी रास्ते पर कब्जा जमाने पहुंच जाते हैं। फिर सामने से वाहन आ जाए तो न आगे बढ़ने की जगह बचती है, न पीछे हटने का रास्ता मिलता है। सड़क पर वाहनों की ऐसी पंचायत लगती है, जिसमें हर कोई अपनी बात मनवाना चाहता है, लेकिन किसी को दूसरे का रास्ता देने की इच्छा नहीं होती। इस अव्यवस्था का सबसे लोकप्रिय तर्क भी कमाल का है, जब सब नियम तोड़ रहे हैं तो मैं ही नियम मानकर क्यों खड़ा रहूँ? यही सोच अनुशासन की जड़ें खोखली कर रही है। मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन महत्व वाले शहर में यह सवाल और भी अहम है। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में श्रद्धालु धैर्य, सेवा और मर्यादा का संदेश लेकर आते हैं, लेकिन सड़कों पर कई बार धैर्य सबसे पहले दम तोड़ देता है। मंदिर में दर्शन के लिए कतार चाहिए, मगर सड़क पर अपनी बारी का इंतजार करना भारी पड़ता है। यह आदत केवल यातायात तक सीमित नहीं है। कार्यालयों में काम टालना, सार्वजनिक



संपादकीय सुनने के लिए
मोबाइल से QR कोड
को स्कैन करें।

स्थानों पर गंदगी फैलाना और नियमों की अनदेखी करके दूसरों से व्यवस्था की उम्मीद करना भी इसी मानसिकता के उदाहरण हैं। हम चाहते हैं कि सड़क साफ रहे, लेकिन कचरा उठाकर निर्धारित स्थान पर डालने की जिम्मेदारी कोई दूसरा निभाए। जाम न लगे, मगर अपनी गाड़ी गलत जगह खड़ी करने पर किसी को आपत्ति न हो। व्यवस्था केवल प्रशासन के आदेशों से नहीं सुधरती। नागरिकों का व्यवहार भी उसमें उतनी ही बड़ी भूमिका निभाता है। हर गलती के लिए पुलिस, नगर निगम या सरकार को दोष देना आसान है, लेकिन खुद नियमों का पालन करना असली परीक्षा है। मथुरा को स्वच्छ, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए बड़े अभियानों के साथ छोटी आदतों को बदलना भी जरूरी है। अपनी बारी का इंतजार करना, गलत दिशा में वाहन न चलाना, रास्ता अवरुद्ध न करना और सार्वजनिक स्थानों को अपना समझना कोई एहसान नहीं, नागरिक जिम्मेदारी है। आखिर सवाल यह नहीं कि दूसरा नियम तोड़ रहा है या नहीं। सवाल यह है कि दूसरे की गलती देखकर हम भी गलत रास्ता चुनेंगे या सही उदाहरण पेश करेंगे। क्योंकि जाम सड़क पर वाहनों से लगता है, लेकिन उसकी शुरुआत अक्सर दिमाग में बैठे इस विचार से होती है कि नियम सबके लिए हैं, बस मेरे लिए नहीं।

बोध प्रकाश सगुणी

लोकतंत्र में विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन क्या न्याय की चौखट पर भीड़ जुटाकर अपनी बात मनवाने की कोशिश उचित है? चुनाव आयोग की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पर उठे सवाल और उसे चुनौती देने के लिए विपक्षी नेताओं का सर्वोच्च न्यायालय तक मार्च इसी बहस को सामने लाता है। 12 अक्टूबर 2026 के घटनाक्रम पर 15 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक प्रदर्शन और न्यायिक मर्यादा के बीच की सीमा पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने संबंधित नेताओं से जवाब मांगा और परिसर से जुड़े सीसीटीवी चित्र सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। मामला केवल एक मार्च का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के बीच संतुलन का है।

विवाद की जड़ चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठे हैं। आयोग की ओर से मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाले नामों को हटाने की जरूरत बताई गई है, जबकि आलोचकों की चिंता है कि कहीं इस प्रक्रिया में वास्तविक मतदाता तो बाहर नहीं हो गए। इस विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों और आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

यहां असली सवाल है कि मतदाता सूची की सफाई में कहीं लोकतंत्र की आवाज ही साफ न कर दी जाए। यदि कोई पात्र नागरिक सूची से बाहर होता है, तो उसकी परेशानी केवल कागज पर दर्ज एक गलती नहीं, बल्कि मतदान के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय है। दूसरी ओर, यदि मृतकों और दोहराव वाली प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया जरूरी है, तो उसे रोक देना भी समाधान नहीं हो सकता। इसलिए आयोग को पारदर्शिता दिखानी होगी और विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। विपक्षी नेताओं ने मतदाता सूची और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अदालत जाना उनका अधिकार है। सरकार हो, आयोग हो या कोई दूसरी संवैधानिक संस्था, उसके फैसलों की न्यायिक समीक्षा लोकतंत्र की महत्वपूर्ण व्यवस्था है। लेकिन जब कानूनी लड़ाई के साथ राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन भी जुड़ जाता है, तब सवाल उठते हैं कि



प्राथमिकता न्याय पाने की है या राजनीतिक संदेश देने की। राजनीति में भीड़ जुटना कोई नई कला नहीं है। नेता जानते हैं कि कैमरे के सामने जितने अधिक चेहरे होंगे, अगले दिन उतनी अधिक सुर्खियां मिल सकती हैं। मगर अदालत कोई चुनावी सभा नहीं, जहां तालियों और नारों से समर्थन का आकलन किया जाए। यहां नारे लगाने वालों की संख्या से तर्क मजबूत नहीं होते और न ही समर्थकों की कतार से याचिका की कानूनी कमियां अपने आप दूर हो जाती हैं। इसे यूं समझिए कि अदालत में मुकदमा दस्तावेजों से चलता है, जनसभा की आवाज से नहीं। यदि किसी याचिका में जरूरी दस्तावेज अधूरे हैं या प्रक्रियागत कमियां हैं, तो उन्हें नियमों के अनुसार पूरा करना होगा। भीड़ के दबाव से न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने की अपेक्षा वैसी ही है, जैसे कोई विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका खाली छोड़कर परीक्षक से कहे कि बाहर समर्थकों की संख्या देखकर अंक दे दीजिए। 15 अक्टूबर की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका को बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं किया जा सकता। अदालत ने प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रम पर जवाब मांगने के साथ परिसर के चित्र और अन्य डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने का निर्देश भी दिया। साथ ही, मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित याचिका पर सुनवाई का रास्ता भी खुला रहा। इसका अर्थ यह नहीं कि किसी पक्ष के आरोप अंतिम रूप से सही या गलत साबित हो गए हैं।

यहीं लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। न्यायपालिका से निष्पक्षता की अपेक्षा करने वालों को उसके कामकाज की स्वतंत्रता का सम्मान भी करना चाहिए। अदालत की आलोचना की जा सकती है, उसके फैसलों पर असहमति भी जताई जा सकती है, लेकिन किसी न्यायिक परिसर को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बना देना उचित परंपरा नहीं बननी चाहिए।

हालांकि, इस बहस में दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण

है। न्यायिक परिसर के आसपास हर तरह के विरोध को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने के बीच स्पष्ट अंतर है। सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का रास्ता ही बंद नहीं होना चाहिए। संवैधानिक अधिकारों और न्यायिक व्यवस्था के बीच संतुलन बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

लोकतंत्र में संसद, कार्यपालिका और न्यायपालिका की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं। चुनाव आयोग से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने की अपेक्षा है। विपक्ष का दायित्व है कि वह संभावित गड़बड़ियों को सामने लाए। न्यायपालिका का काम है कि वह कानून और संविधान के आधार पर विवाद का निपटारा करे। इनमें से कोई भी संस्था सवालों से परे नहीं है, लेकिन किसी संस्था को जवाबदेह बनाने का तरीका भी संवैधानिक होना चाहिए।

सत्ता पक्ष यदि विपक्ष की शिकायतों को केवल राजनीतिक नाटक कहकर खारिज करता है, तो इससे मतदाताओं की आशंकाएं दूर नहीं होंगी। उसी तरह विपक्ष यदि हर प्रशासनिक फैसले को साजिश बताकर सड़क और अदालत दोनों जगह शक्ति प्रदर्शन को ही राजनीति का केंद्र बना लेता है, तो वास्तविक मुद्दा पीछे छूट सकता है।

इस पूरे विवाद से एक बात साफ है—मतदाता सूची की विश्वसनीयता और न्यायपालिका की स्वतंत्रता, दोनों लोकतंत्र के लिए जरूरी हैं। किसी एक की रक्षा के नाम पर दूसरे को कमजोर नहीं किया जा सकता। आयोग को नाम हटाने की प्रक्रिया का स्पष्ट हिसाब देना चाहिए, प्रभावित नागरिकों को सुधार का व्यावहारिक अवसर मिलना चाहिए और अदालत को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय करना चाहिए।

आखिरकार, लोकतंत्र में भीड़ सरकार को संदेश दे सकती है, लेकिन न्याय का फैसला कानून ही करता है। नेताओं को यह समझना होगा कि अदालत की चौखट पर राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन सुर्खियां तो दे सकता है, न्याय की गारंटी नहीं। संविधान ऐसा नियम-पुस्तक नहीं है जिसे सुविधा के अनुसार खोला और असुविधा होने पर बंद कर दिया जाए। उसकी मर्यादा सत्ता पक्ष, विपक्ष, आयोग और न्यायपालिका—सभी पर समान रूप से लागू होती है। लोकतंत्र की असली जीत तब होगी, जब मतदाता का नाम सूची में सुरक्षित हो, विपक्ष की आवाज सुनी जाए और न्याय की चौखट पर फैसले का आधार भीड़ नहीं, बल्कि निष्पक्ष कानून बने।

विचार विंडो

राम प्रकाश शर्मा

शहरों की सड़कों पर अब केवल इंसानों की निगाहें नहीं हैं। कैमरों, संवेदकों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस छोटी-छोटी मशीनें भी फुटपाथ पर घूम रही हैं। कभी ये भोजन पहुंचाती हैं, कभी रास्ते की बाधाओं से बचती हैं और कभी तकनीक की दुनिया में नए प्रयोगों का हिस्सा बनती हैं। देखने में ये खिलौने जैसी लगती हैं, लेकिन इनके भीतर मौजूद तकनीक निजता, सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े बड़े सवाल खड़े कर रही है। सवाल यह नहीं कि रोबोट कितने होशियार हो गए हैं, सवाल यह है कि उनकी होशियारी की सीमा कौन तय करेगा?

शिकागो की एक काल्पनिक कहानी इस चिंता को दिलचस्प तरीके से सामने लाती है। मार्क्स नाम का एक व्यक्ति पुलिस से बचने के लिए अपनी चाल बदलता है, चेहरा छिपाता है और निगरानी से बचने की कोशिश करता है। उसे लगता है कि सड़क पर कोई उसकी गतिविधियों पर ध्यान नहीं दे रहा। लेकिन फुटपाथ पर चल रहा भोजन पहुंचाने वाला रोबोट उसकी आवाज और आसपास की गतिविधियों को दर्ज कर सकता है। कहानी में मशीन की तकनीक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान तक पहुंचने में मदद करती है। यह प्रसंग भले ही काल्पनिक हो, लेकिन इससे पैदा होने वाले

सवाल बिल्कुल वास्तविक हैं। आज की तकनीक ने सुरक्षा और सुविधा के बीच की दूरी काफी कम कर दी है। बड़े शहरों में स्वचालित रोबोट भोजन और अन्य सामान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इनके कैमरे और संवेदक रास्ते की बाधाओं को पहचानते हैं, दूरी का अनुमान लगाते हैं और पैदल चलने वालों से टकराने से बचने में मदद करते हैं। इनके बिना सड़क पर चलना कठिन हो सकता है। लेकिन जब किसी मशीन में कैमरा लगा हो, तो यह जानना भी जरूरी हो जाता है कि वह क्या देख रही है, क्या दर्ज कर रही है और दर्ज की गई जानकारी का इस्तेमाल कहाँ हो रहा है। अमेरिका के इलिनॉय राज्य में भोजन पहुंचाने वाले रोबोट बनाने वाली कंपनियों को लेकर निजता से जुड़े आरोप सामने आने की खबरें इसी चिंता को बढ़ाती हैं। शिकागो क्षेत्र में काम करने वाली कोको रोबोटिक्स और सर्व रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोटों के कैमरों तथा अन्य संवेदकों से लोगों की जानकारी जुटाए जाने को लेकर कानूनी विवाद की चर्चा हुई है। आरोप लगाने वालों की आशंका है कि लोगों की जानकारी उनकी सहमति के बिना एकत्र की जा सकती है और उसका उपयोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रणालियों को विकसित करने या तीसरे पक्ष के साथ साझा करने में हो सकता है। कंपनियों



ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि उनके उपकरणों का उद्देश्य रास्ते में आने वाली बाधाओं को पहचानना और सुरक्षित ढंग से चलना है।

इन दावों और प्रतिदावों के बीच एक बात स्पष्ट है कि किसी आरोप को अदालत में साबित होने से पहले अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। फिर भी, यह विवाद ऐसी व्यवस्था की जरूरत जरूर बताता है जिसमें नागरिकों को पता हो कि सार्वजनिक स्थानों पर उनकी गतिविधियों से जुड़ी जानकारी कौन जुटा रहा है और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा है। तकनीक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है। घर बैठे भोजन मंगाएँ, कुछ ही देर में रोबोट दरवाजे तक पहुंच जाएगा। न उसे छुट्टी चाहिए, न रास्ते में किसी से बातचीत करनी है। लेकिन सुविधा की इस थाली में निजता की कीमत छिपी हो, तो सवाल पूछना जरूरी है। ग्राहक भोजन का आदेश देता है, अपनी निजी जानकारी का असीमित इस्तेमाल

करने की अनुमति नहीं। इसी तरह फुटपाथ पर चलने वाला राहगीर केवल सड़क का उपयोग कर रहा है, वह अनजाने में किसी कंपनी की जानकारी जुटाने वाली व्यवस्था का हिस्सा बनने के लिए सहमत नहीं हो जाता।

यहां सरकारों और नियामक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों को स्पष्ट करना चाहिए कि उनके रोबोट कौन-सी जानकारी जुटाते हैं, वह कितने समय तक सुरक्षित रखी जाती है और किन परिस्थितियों में किसी अन्य संस्था के साथ साझा की जा सकती है। यदि किसी जानकारी का उपयोग केवल रास्ता पहचानने के लिए होता है, तो उसे उसी उद्देश्य तक सीमित रखने की व्यवस्था होनी चाहिए। लोगों की पहचान से जुड़ी संवेदनशील जानकारी के मामले में अधिक सख्त सुरक्षा, स्पष्ट सहमति और जवाबदेही आवश्यक है।

इसके साथ ही तकनीक को पूरी तरह खलनायक बना देना भी उचित नहीं होगा। यही प्रणालियां दुर्घटनाओं को रोकने, संदिग्ध गतिविधियों की जांच करने और सार्वजनिक सुरक्षा में सहायता दे सकती हैं। लेकिन सुरक्षा के नाम पर हर व्यक्ति को संभावित संदिग्ध मानकर उसकी गतिविधियां दर्ज करना स्वतंत्र समाज के लिए चिंता का विषय होगा। अपराध रोकने और निर्दोष नागरिकों की निजता बचाने

के बीच संतुलन बनाना ही असली चुनौती है।

भारत में भी डिजिटल सेवाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विस्तार तेजी से हो रहा है। भविष्य में भोजन पहुंचाने वाले रोबोट, स्वचालित वाहन और सार्वजनिक स्थानों पर काम करने वाली मशीनें यहां भी आम हो सकती हैं। इसलिए नियम बनाने के बाद विवाद सुलझाने की प्रतीक्षा करने के बजाय अभी से यह तय करना बेहतर होगा कि ऐसी तकनीक किन सीमाओं के भीतर काम करेगी। पारदर्शिता, आंकड़ों की सुरक्षा और नागरिकों के अधिकारों को तकनीकी विकास का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा।

आखिरकार, सड़क पर चलता रोबोट केवल भोजन का डिब्बा नहीं ढो रहा होता, उसके साथ तकनीक, व्यापार और नागरिक अधिकारों से जुड़े सवाल भी चलते हैं। आज वह रास्ते में पड़ी बाधा पहचान रहा है, कल उसकी क्षमता और बढ़ सकती है। इसलिए जरूरत रोबोट से उरने की नहीं, बल्कि उसे चलाने वाली व्यवस्था पर स्पष्ट नियम लागू करने की है। सुविधा तभी सार्थक है, जब उसके बदले नागरिकों को अपनी निजता से अनजान समझौता न करना पड़े। फुटपाथ सबका है, इसलिए वहां चलने वाले हर इंसान को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उसे देखने वाली मशीन क्या देखती है और उसकी जानकारी का करती क्या है।

फुटपाथ पर घूमते रोबोट, निजता पर मंडराता खतरा

शोर-शराबे से दूर, हरियाली और ठंडी हवाओं के बीच बिताएं यादगार पल

बेंगलुरु के करीब छिपे हैं सुकून और हरियाली से भरपूर स्थल

यूनिक समय, मथुरा। जब मन भागदौड़ से थकने लगे और ट्रैफिक के शोर से राहत की तलाश हो, तब दिल करता है किसी शांत और प्रकृति से भरपूर जगह पर कुछ सुकून भरे पल बिताने का।

ऐसे में बेंगलुरु के आसपास कई ऐसी हसीन मंजिलें हैं जो आज भी कम भीड़ वाली हैं, लेकिन अपनी खूबसूरती और शांति से मन मोह लेती हैं। ये जगहें नेचर लवर्स और वीकेंड ट्रैवलर्स के लिए परफेक्ट हैं।

अगुम्बे: बादलों के बीच एक ट्रैकिंग स्वर्ग- कर्नाटक के पश्चिमी घाटों में स्थित अगुम्बे एक शांत और हरियाली से घिरा इलाका है, जो मानसून के समय किसी स्वर्ग से कम नहीं लगता। यहां की ट्रैकिंग ट्रेल्स, झरने और सुरम्य सनसेट पॉइंट रोमांच और



सुकून दोनों का अहसास कराते हैं। खास बात यह है कि यह जगह अभी ट्रिस्ट मैप पर ज्यादा फेमस नहीं हुई है।

कब्बलादुर्ग: उन्चाई से देखिए सुकून की दुनिया- अगर आप बेंगलुरु

से कुछ ही दूरी पर शांति और सुंदरता से भरा कोई गांव तलाश रहे हैं, तो कब्बलादुर्ग आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है।

उन्ची पहाड़ियों से दिखने वाला

नजारा और हरियाली से घिरी वादियां यहां का मुख्य आकर्षण हैं। मॉनसून और सर्दियों में यह जगह खासा खूबसूरत नजर आती है।

यस्कौड: तमिलनाडु का मिनी हिल स्टेशन- तमिलनाडु का छोटा लेकिन बेहद दिलकश हिल स्टेशन यस्कौड, कॉफी के बागानों, झीलों और ट्रैकिंग ट्रेल्स के लिए मशहूर है।

यहां का शांत वातावरण और ठंडी हवाएं इसे वीकेंड ट्रिप के लिए आदर्श बनाते हैं।

कम भीड़ और प्राकृतिक सुंदरता के कारण यह जगह परिवार या दोस्तों के साथ सुकून भरा समय बिताने के लिए बढ़िया विकल्प है। अगर आप भीड़-भाड़ से दूर एक शांत ब्रेक की तलाश में हैं, तो इन जगहों को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

चैटबॉट से ली सलाह पहुंचा सकती है अस्पताल

क्या एआई बिगाड़ रहा है मानसिक स्वास्थ्य?



यूनिक समय, मथुरा। तकनीक की दुनिया में एआई चैटबॉट्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है, लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि क्या यह सेहत के लिए खतरा बन सकता है? हाल ही में मुंबई में एक 14 साल के बच्चे के केस ने इस चिंता को हवा दी है। बच्चे ने पेट दर्द की शिकायत के बाद एआई चैटबॉट से सलाह ली, जिसने उसे गैस्ट्रो समस्या बताकर तुरंत अस्पताल जाने की सलाह दी। अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि शारीरिक रूप से बच्चा पूरी तरह ठीक था। असल समस्या गंभीर एंजायटी अटैक की थी, जो स्कूल में चल रही बुलिंग का नतीजा था।

एआई से गलत डायग्नोसिस का खतरा: मेडिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। हाल के दिनों में कई ऐसे केस सामने आए हैं जिनमें मरीजों ने मेंटल हेल्थ के लिए एआई की मदद ली और गलत सलाह की वजह से हालात बिगड़ गए। एआई आपकी बात सुन सकता है, जवाब दे सकता है, लेकिन

ना वह इंसानी भावनाएं समझ सकता है और ना ही आपको देख सकता है। यही वजह है कि कई बार चैटबॉट्स गंभीर मानसिक स्थितियों को सामान्य मान लेते हैं। जिम्मेदारी किसकी? एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एआई चैटबॉट्स भले ही गोपनीयता और नॉन-जजमेंटल स्पेस दें, लेकिन यह इलाज नहीं है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के अनुसार एआई टूल्स गंभीर मानसिक समस्याओं को अनदेखा कर सकते हैं और गलत सलाह दे सकते हैं। इससे न सिर्फ मानसिक सेहत पर असर पड़ता है बल्कि व्यक्ति की शारीरिक हालत भी बिगड़ सकती है। तकनीक जरूरी, लेकिन सीमाएं तय हों: अमेरिका में हुए एक सर्वे में सामने आया है कि 50% लोग एआई से थैरेपी जैसी बातचीत की उम्मीद करते हैं, लेकिन एक्सपर्ट चेतावते हैं कि एआई टूल्स कभी भी इंसानी थैरेपिस्ट की जगह नहीं ले सकते। एआई कुछ हद तक मूड ट्रैकिंग या मोडिफिकेशन दे सकता है, लेकिन इलाज के लिए मानव विशेषज्ञ की जरूरत हमेशा बनी रहेगी।

मिनटों में तैयार होगी हेल्दी रेसिपी

बारिश में घर पर बनाएं टेस्टी भल्ला पापड़ी चाट



यूनिक समय, मथुरा। मानसून की रिमझिम फुहारों के बीच अगर कुछ चटपटा, टेस्टी और हेल्दी खाने का मन है, तो घर पर बनी भल्ला पापड़ी चाट एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। अक्सर लोग चाट को बाहर जाकर खाने का ही सोचते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में बाहर का खाना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में घर में ही मिनटों में बनने वाली ये भल्ला पापड़ी चाट ट्राई करें, जिसमें आपको मिलेगा स्वाद, सेहत और संतुष्टि का जबरदस्त तड़का।

ऐसे बनाएं मीठी चटनी: एक गिलास पानी में दो चम्मच अमचूर पाउडर डालकर उबालें। फिर उसमें एक चम्मच सौंठ, चार चम्मच चीनी (या गुड़), लाल मिर्च, नमक, भुना जीरा पाउडर और काली मिर्च डालें। थोड़ी देर उबालने के बाद चटनी तैयार हो

जाएगी।

हरी चटनी ऐसे बनाएं: थोड़ा हरा धनिया, पुदीना, अदरक, दही, भुनी चने की दाल (या सत्तू), नमक, मिर्च और कुछ आइस क्यूब मिलाकर मिक्सी में पीस लें।

हरी चटनी तैयार है।

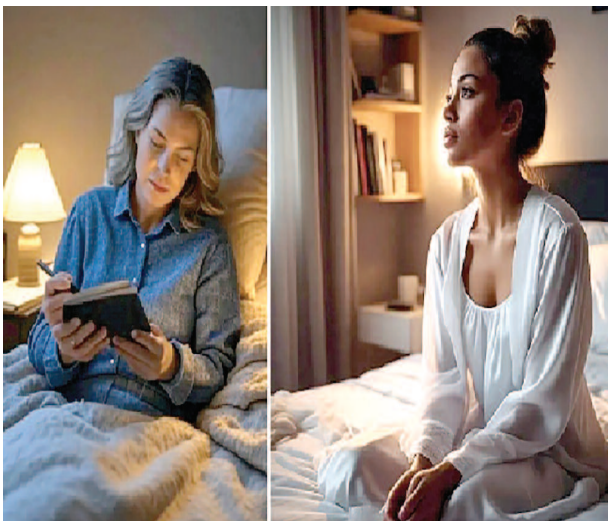
भल्ले बनाने का तरीका: एक कप मूंग दाल को 2-3 घंटे भिगोकर बिना पानी पीसें। अच्छे से फेंटें और छोटे-छोटे वड़े बनाकर तलें। तलने के बाद गर्म पानी में डालें और फिर फ्रिज में ठंडा कर लें। दही को फेंटकर उसमें थोड़ा मीठा मिलाएं।

प्लेट कैसे सजाएं: एक प्लेट में भल्ले रखें, ऊपर से दही डालें, फिर मीठी और हरी चटनी डालें। पापड़ी तोड़कर डालें, भुना जीरा, चाट मसाला और चाहें तो थोड़ी बूंदी डालें। नमक और मिर्च स्वाद अनुसार एडजस्ट करें।

हर रात सिर्फ 5 मिनट का सेल्फ रिव्यू बदल सकता है आपकी जिंदगी

यूनिक समय, मथुरा। भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि ठहर कर दिनभर के अनुभवों पर नज़र डालना भी जरूरी है। विशेषज्ञों और दिग्गजों का मानना है कि दिन के अंत में केवल 5 मिनट का आत्म-चिंतन आपकी सोच, भावनाओं और निर्णयों को सकारात्मक दिशा दे सकता है। हर दिन हमारे लिए कुछ नया सीखने का अवसर होता है।

अगर हम अपने अनुभवों से नहीं सीखते, तो हम वही गलतियाँ दोहराते रहते हैं। सेल्फ रिव्यू का मकसद है खुद से ईमानदारी से सवाल करना और सुधार की दिशा में कदम बढ़ाना। **ऐसे करें सेल्फ रिव्यू की शुरुआत:** एक शांत जगह चुनें: सोने से पहले 5-10 मिनट खुद के लिए निकालें। तीन सवाल खुद से पूछें: क्या आज मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया? क्या कुछ ऐसा था जिसे बेहतर किया जा सकता था? क्या कोई आदत है जिसे मुझे बदलना चाहिए?



सोचें या डायरी में लिखें: चाहें तो विचारों को डायरी में उतारें। खुद को दोष न दें गलतियाँ स्वीकारें लेकिन कठोर न बनें। हर दिन 1% सुधार का लक्ष्य रखें।

दिग्गज भी मानते हैं इसका महत्व: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और क्रिकेटर

विराट कोहली जैसे लोग भी सेल्फ रिव्यू को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं। विराट कोहली ने कहा था, "हर मैच के बाद मैं खुद से सवाल करता हूँ कि और क्या बेहतर हो सकता था।"

ओवरथिंकिंग से बचें, आत्म-

महिलाओं में अक्सर होती है देरी से पहचान

हार्ट अटैक के लक्षण पुरुषों और महिलाओं में क्यों होते हैं अलग

यूनिक समय, मथुरा। हाल के वर्षों में हार्ट अटैक की घटनाओं में तेजी से इजाफा देखने को मिला है, लेकिन एक रिसर्च में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि पुरुषों और महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण समान नहीं होते।

यही वजह है कि समय रहते पहचान न होने से महिलाओं में खतरा और बढ़ जाता है।

रिसर्च में हुआ खुलासा: महिलाओं में हार्ट डिजीज के मामले तेजी से बढ़े हैं टडी के मुताबिक, 3 से 13 प्रतिशत भारतीय महिलाएं कोरोनरी आर्टरी डिजीज से प्रभावित हैं। बीते दो दशकों में यह आंकड़ा करीब 300 प्रतिशत



तक बढ़ चुका है।

पुरुषों में हार्ट अटैक के आम लक्षण: छाती में तेज दर्द या दबाव, सीने में बेचैनी और भारीपन, शरीर के अग्री हिस्से में दर्द (जैसे बांहों, गर्दन,

पीठ में), सांस फूलना (डिस्पनिया), बार-बार थकान या कमजोरी, खांसी या घरघराहट।

महिलाओं में हार्ट अटैक के संकेत अधिक सूक्ष्म: सांस की

तकलीफ या अचानक चक्कर आना, मतली या उल्टी, जबड़े, पीठ या गर्दन में दर्द, अग्री पेट या निचली छाती में असहजता, अत्यधिक थकान, जो बिना मेहनत के भी हो, पसीना आना या बेचैनी।

कैसे करें हार्ट अटैक से बचाव? शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करें, नियमित रूप से ईसीजी, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और शुगर की जांच करवाएं, संतुलित और हेल्दी डाइट लें, रोजाना वॉक या योग जैसी शारीरिक गतिविधि करें, तनाव कम करें और नींद पूरी लें, धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं, कोई भी असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

काशी में रामलीला का हाथी बेकाबू महावत को पटक कर मचाई तबाही



यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी के रामनगर स्थित पंचवटी मैदान में रविवार सुबह रामलीला के लिए लाया गया हाथी अचानक बेकाबू हो गया। हाथी ने मैदान से लेकर सड़क तक जमकर उत्पात मचाया। रास्ते में पेड़ और बिजली के खंभे उखाड़ दिए, जबकि कई घरों की चहारदीवारी और दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया। हाथी के इस रूप को देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार

भोजन देने पहुंचे महावत को हाथी ने उठाकर पटका

दो किलोमीटर क्षेत्र बंद, हाथी को पकड़ने में जुटी टीमें

सुबह करीब साढ़े दस बजे महावत छापलू हाथी को भोजन देने जा रहा था, तभी वह अचानक भड़क गया। कुछ

लोगों का कहना है कि पहले दो हाथियों के बीच लड़ाई हुई थी। उन्हें अलग करने के बाद एक हाथी बेकाबू हो गया। उसने महावत को सूंड से उठाकर पटक दिया, जिससे उसके सिर, सीने और पैरों में चोटें आईं। घायल महावत को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों की टीम उसका इलाज कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए आसपास के करीब दो किलोमीटर क्षेत्र



में बैरिकेडिंग कर रास्ते बंद कर दिए गए। स्थानीय लोगों को प्रभावित इलाके से दूर रहने की सलाह दी गई। वन विभाग, पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल सहित करीब 200 लोग हाथी को काबू करने के प्रयास में जुटे हैं। हाथी आजमगढ़ से लाया गया था। पंचवटी मैदान में रामलीला में शामिल होने वाले हाथियों को रखा जाता है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। अधिकारी हाथी की गतिविधियों पर नजर रखते हुए उसे सुरक्षित तरीके से काबू करने में जुटे हैं।

दुर्गा पंडाल के बाहर कार ने सात लोगों को रौंदा, तीन की मौत



गणेश पांडेय
मृतक

माता प्रसाद
मृतक

मनोज पांडेय
मृतक

यूनिक समय, बलरामपुर। बलरामपुर में शनिवार रात दुर्गा पंडाल के बाहर तेज रफ्तार कार ने सात लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, चालक नशे में था। घटना के बाद वह कार लेकर भाग निकला, लेकिन ग्रामीणों ने करीब 15 किलोमीटर तक पीछा कर उसे पकड़ लिया।

हादसा कोतवाली देहात क्षेत्र की बेल्हा ग्राम पंचायत में रात करीब 11 बजे हुआ। पंडाल के पास लगे तंबू में ग्रामीण प्रोजेक्टर के जरिए कार्यक्रम देख रहे थे। तभी गौरा रोड की ओर से आई तेज रफ्तार फोर्ड कार तंबू में घुस गई और दीवार से टकरा गई। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पाटेश्वरी प्रसाद (42), मनोज सिंह (51) और गणेश पांडेय

प्रोजेक्टर से कार्यक्रम देख रहे लोगों पर चढ़ी कार

पीछा कर पकड़ा गया चालक, पुलिस कर रही पूछताछ

(45) को मृत घोषित कर दिया गया। चार घायलों छेदीराम, घोपराम, डब्लू और मुकेश तिवारी को बेहतर उपचार के लिए बहराइच भेजा गया। क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह के मुताबिक, हादसे के बाद चालक फरार हो गया था। पुलिस ने घेराबंदी कर सीतापुर निवासी आदर्श यादव को पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने चालक के नशे में होने की बात कही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कर्मचारियों को बोनस, महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की उम्मीद

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों से जुड़ी कई अहम प्रक्रियाएं आगे बढ़ रही हैं। राज्य के 12 लाख से अधिक कर्मचारियों को दीपावली से पहले बोनस देने की तैयारी है। वित्त विभाग ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। बोनस की राशि 3,400 से 7,000 रुपये तक होने की संभावना है।

कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनरों की महंगाई राहत में तीन प्रतिशत बढ़ोतरी की भी उम्मीद है। हालांकि, इसके लिए आधिकारिक आदेश का इंतजार है। करीब चार लाख संविदा कर्मचारियों के वेतन में

दीपावली से पहले कर्मचारियों को बोनस की तैयारी शिक्षकों की पदोन्नति भी तेज

बढ़ोतरी की तैयारी भी चल रही है। बेसिक शिक्षा परिषद ने सहायक अध्यापकों की वरिष्ठता सूची 23 अक्टूबर तक मांगी है। पात्र शिक्षकों की पदोन्नति सात नवंबर तक पूरी करने का लक्ष्य है। वहीं, मतदाता सूची में नाम कटवाने के लिए गलत सूचना देने पर एक साल तक की सजा हो सकती है। प्रारंभिक पात्रता परीक्षा के प्रवेश पत्र भी परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार जारी किए जा रहे हैं।

अरशद की हत्या में दोषी को उम्रकैद मोबाइल लोकेशन बनी अहम कड़ी

यूनिक समय, आगरा। आगरा की फास्ट ट्रैक अदालत ने 18 वर्षीय ई-रिक्षा चालक अरशद की हत्या के मामले में दोषी जैनुद्दीन को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। मामले में मोबाइल की स्थिति, बातचीत का विवरण, खून के निशान और हत्या में इस्तेमाल हंसिया महत्वपूर्ण साक्ष्य बने। घटना 21 अगस्त 2021 की है। अरशद सुबह घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश की तो पुलिस से उसकी हत्या की सूचना मिली। नगला बरी तिराहे पर उसका शव मिला था।

अभियोजन पक्ष ने अदालत में 11 गवाह पेश किए। एक गवाह ने घटना

गवाहों और वैज्ञानिक जांच से मजबूत हुआ मामला

वाली रात अरशद को आरोपी के साथ ई-रिक्षा में जाते देखने की बात कही। जांच में दोनों के बीच कई बार बातचीत होने और आरोपी के मोबाइल की स्थिति घटनास्थल के पास मिलने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हंसिया और कपड़े भी बरामद किए थे। प्रयोगशाला की जांच में हंसिया और खून लगी मिट्टी पर मानव रक्त मिलने की पुष्टि हुई। अदालत ने गवाहियों और साक्ष्यों पर विचार करने के बाद दोषी को उम्रकैद सुनाई।

दशहरा मनाने मसूरी जा रहे तीन दोस्तों की हादसे में मौत

यूनिक समय, सहारनपुर। सहारनपुर में रविवार तड़के हुए सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पांचों दोस्त दशहरे की छुट्टी पर आगरा से मसूरी घूमने जा रहे थे। नागल थाना क्षेत्र में बेलड़ा गोल चक्कर के पास उनकी थार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस के मुताबिक, हादसा रविवार सुबह करीब चार बजे हुआ। दुर्घटना के बाद थार पलट गई और उसमें सवार दो युवक पुल के नीचे जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने साहिल तिवारी (25), राहुल सिंह (25) और सक्षम गौतम (22) को मृत घोषित कर दिया। सचिन और हेमंत वर्मा का उपचार चल रहा है। दोनों



साहिल तिवारी
मृतक

सक्षम गौतम
मृतक

राहुल कुमार
मृतक

चचेरे भाई हैं। हादसे में जान गंवाने वाला साहिल अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता सीमा सुरक्षा बल में अधिकारी हैं और उनकी तैनाती बेंगलुरु में है।

साहिल दिल्ली में मां और बहन के साथ रहता था। बेटे की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

घायल सचिन ने बताया कि पांचों दोस्त शनिवार रात करीब नौ बजे आगरा से निकले थे। थार हेमंत चला रहा था और सचिन आगे की सीट पर बैठा था। पीछे बैठे तीनों दोस्तों की हादसे में मौत हो गई। सचिन के मुताबिक, वह यात्रा के दौरान सो रहा था। जब आंख खुली तो खुद को

डिवाइडर से टकराई थार, तड़के चार बजे हुआ हादसा, तीन परिवारों में पसरा मातम

घायल दोस्त बोला आंख खुली तो सड़क पर पड़ा था

सड़क पर पड़ा पाया। राहुल और सक्षम के पिता अस्पताल पहुंचे तो बेटों के शव देखकर बिलख पड़े। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में तेज रफ्तार हादसे की वजह मानी जा रही है। थार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने से आगे के सुरक्षा वायुकोष भी नहीं खुल सके। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

स्नातक सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला शिक्षक सीट पर सीधी टक्कर

यूनिक समय, आगरा। आगरा खंड की स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सीटों के चुनाव को लेकर भाजपा और सपा ने प्रचार तेज कर दिया है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले हो रहे इस मुकाबले को दोनों दलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्नातक सीट पर भाजपा, सपा और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के आसार हैं, जबकि शिक्षक सीट पर भाजपा और सपा के प्रत्याशियों के बीच सीधी टक्कर मानी जा रही है।

दोनों सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा और 27 अक्टूबर को मतगणना कराई जाएगी। चुनाव में कुल 25 प्रत्याशी मैदान में हैं। स्नातक सीट पर 13 और शिक्षक सीट पर 12 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। भाजपा ने प्रचार अभियान में सांसदों और विधायकों को भी लगाया है। शिक्षक सीट पर पिछले चुनाव में निर्दलीय जीते डॉ. आकाश अग्रवाल के सपा में शामिल होने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

आगरा में किशोरी से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप, चार पर मुकदमा

यूनिक समय, आगरा। आगरा में 14 वर्षीय किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाने और धमकाकर रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने यश चौधरी, दीपक, ददुआ उर्फ तिलक सिंह और होटल संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

शिकायत के अनुसार, आरोपी ने

किशोरी को टेढ़ी बगिया-जलेसर मार्ग स्थित एक होटल में बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर रुपये मांगे। पीड़ित परिवार ने तीन लाख रुपये वसूलने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने नौ अक्टूबर को मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोलकाता के दुर्गा पंडाल में भगदड़ 19 की मौत से मचा हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार रात मची भगदड़ ने खुशियों के उत्सव को मातम में बदल दिया। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं। घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में उपचार चल रहा है। इनमें पांच मरीज गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती हैं। एक मरीज की हालत गंभीर बताई गई है। रविवार सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले और उनके उपचार की जानकारी ली।

पुलिस ने मामले में पूजा समिति के सचिव राजकुमार से ओझा और उपाध्यक्ष शांतनु दुबे समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पंडाल का बांस का ढांचा तैयार करने वाले और भीड़ संभालने की जिम्मेदारी निभाने वाले लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद पंडाल की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जिस चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ से इतनी जानें गईं, उसे घटना से महज दो दिन पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने 'देवी दुर्गा सम्मान 2026' से सम्मानित



किया था। इसे 'सर्वश्रेष्ठ में सर्वश्रेष्ठ' श्रेणी में चुना गया था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शनिवार शाम बारिश के दौरान पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई थी। रास्ते संकरे थे और रोशनी भी पर्याप्त नहीं थी। बताया जा रहा है कि पंडाल की हालत खराब होने और उसके गिरने की आशंका के चलते लोगों को बाहर निकलने की घोषणा की गई थी। इससे निकलने के लिए मची धक्का-मुक्की ने भगदड़ का रूप ले लिया। बारिश के कारण रास्तों पर फिसलन भी थी।

एक स्थानीय पत्रकार के अनुसार, करीब 300 मीटर लंबी कतार को संभालने के लिए केवल दो सुरक्षाकर्मी तैनात थे। पंडाल में भीड़ नियंत्रण के



इंतजामों की कमी के आरोप लग रहे हैं।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मामले की जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश की अगुवाई में विशेष जांच दल गठित करने की घोषणा की है। सरकार ने मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को पांच लाख रुपये की सहायता और निशुल्क उपचार दिया जाएगा।

हादसे के बाद पूजा आयोजन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि भीड़ नियंत्रण में कहां चूक हुई और समय रहते लोगों को सुरक्षित

सम्मान मिलने के दो दिन बाद पंडाल में मातम, सात आरोपी गिरफ्तार

संकरी गलियों में भीड़ का दबाव, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

सम्मानित पंडाल में हादसा, जिम्मेदारी तय करने की मांग तेज

बाहर निकालने के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं थे।

घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, हादसे के बाद पूजा आयोजन बंद कर दिया गया है। अब जांच से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि इतनी बड़ी त्रासदी के लिए कौन जिम्मेदार था।

**डांडिया की खुशियां मातम में बदलीं
लाइटिंग का ढांचा गिरने से दो की मौत**



यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद के नादेरगुल स्थित एमबीएसआर इंजीनियरिंग कॉलेज में डांडिया कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। शनिवार रात लाइटिंग के लिए लगाया गया धातु का आर्च गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 विद्यार्थी घायल हो गए। हादसे के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें पांच की हालत गंभीर बताई गई है।

मृतकों में वनापथी की रहने वाली छात्रा सोनी भी शामिल है। बताया गया कि वह अपनी बहन के साथ कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। उसकी बहन की हालत गंभीर होने पर उसे दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार्यक्रम के दौरान तेज हवाएं चल रही थीं। इसी दौरान लाइटिंग और सजावट के लिए लगाया गया भारी ढांचा गिर

परिजनों ने लगाए लापरवाही के आरोप जांच शुरू

तेज हवा के बीच गिरा सजावटी ढांचा, मची अफरा-तफरी

गया। इसकी चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

मृतक छात्रा के चाचा ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। उनका कहना है कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों और सुरक्षा व्यवस्था में संभावित चूक की पड़ताल की जा रही है।

बारिश-बर्फबारी से बदला मौसम, बढ़ी टंड



यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। उत्तर भारत में सुबह और शाम हल्की टंड महसूस होने लगी है, जबकि दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

जम्मू-कश्मीर की ऊंची चोटियों और हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति, चंबा तथा कांगड़ा के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है। इससे पहाड़ों पर टंड

बढ़ गई है। कई पर्यटन स्थलों और सड़कों पर बर्फ जमने से आवागमन प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में मौसम मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है।

दक्षिण भारत के पांच राज्यों में भारी बारिश की संभावना

पहाड़ों पर बर्फबारी मैदानी इलाकों में साफ रहेगा मौसम

कई क्षेत्रों में तेज हवाएं, आंधी और बिजली गिरने की आशंका भी है। कुछ इलाकों में हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी से टंड बढ़ी है। वहीं, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में फिलहाल बारिश की संभावना कम है। दक्षिण भारत में 20 अक्टूबर तक कई स्थानों पर वर्षा जारी रह सकती है।

महंगाई की मार से यूरोप में उबाल, इटली-फ्रांस में हिंसा और आगजनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। महंगाई की बढ़ती मार ने यूरोप के कई शहरों में लोगों का गुस्सा सड़कों पर ला दिया है। इटली और फ्रांस में बढ़ती कीमतों के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शन कई जगह हिंसा, आगजनी और लूटपाट में बदल गए। हालात संभालने के लिए पुलिस को आंसू गैस और पानी की बौछारों का सहारा लेना पड़ा। फ्रांस में कम से कम 272 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि इटली के मिलान में करीब 50 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

इटली के मिलान में शनिवार को प्रदर्शन की शुरुआत शांतिपूर्ण मार्च से हुई थी। इसमें महंगाई और युद्ध के खिलाफ आवाज उठाई गई। लेकिन बाद में कुछ नकाबपोश प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हो गई। उपद्रवियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके, दुकानों में लूटपाट की और वाहनों समेत दूसरी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। हिंसा के चलते शहर के प्रमुख चौक और



महंगी वस्तुओं की दुकानों वाले बाजार को खाली करना पड़ा। घटना में दो पुलिस अधिकारी घायल हुए।

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है, लेकिन शहरों में आग लगाना और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। मिलान के महापौर ने भी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर नाराजगी जताई।

फ्रांस में भी महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान कई शहरों में हिंसा हुई।

राजधानी पेरिस में कारों को आग के हवाले करने और दुकानों में लूटपाट की घटनाएं सामने आईं। ल्योन में पर्यटन कार्यालय के भीतर आग लग गई, जबकि मार्सिले में दुकानों और नगरपालिका पुलिस थाने को नुकसान पहुंचाया गया। कुछ प्रदर्शनकारी नगर भवन के प्रवेश कक्ष तक पहुंच गए। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक, कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों पर हमले

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, गोलीबारी में एक की मौत, 15 घर फूटके

यूनिक समय, नई दिल्ली। मणिपुर के कामजोंग जिले के चसाद गांव में कुकी और नगा समुदायों के हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। शनिवार दोपहर शुरू हुई हिंसा शाम तक जारी रही। घटना के बाद कुकी समुदाय के 15 घरों में आग लगा दी गई, जिससे इलाके में तनाव बढ़ गया। पुलिस के अनुसार, घायलों को असम राइफलस के जवानों ने बचाकर अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान एक घायल ने दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने हमले में म्यांमार के उग्रवादियों और एनएससीएन-आईएम से जुड़े लोगों की भूमिका का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

लूटपाट से बिगड़े हालात

पुराने आंदोलन की वापसी के संकेत सरकारों की बढ़ी चिंता

और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हुईं। प्रदर्शनकारियों की नाराजगी के पीछे पेट्रोल, ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

फ्रांस में कुछ प्रदर्शनकारियों ने सामाजिक असमानता और महंगाई के खिलाफ वर्ष 2018 में शुरू हुए 'पीली जैकेट' आंदोलन को फिर से सक्रिय करने की अपील की है। उस आंदोलन में भी बढ़ती जीवन-यापन लागत को लेकर व्यापक असंतोष सामने आया था। ताजा घटनाओं ने सरकारों के सामने महंगाई के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती भी खड़ी कर दी है।

महाराष्ट्र के बीड जिले में बस-कार की भीषण भिड़ंत में पांच की मौत



यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बीड जिले में रविवार को बस और कार की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसा माजलगांव तालुका में खामगांव-पंढरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिंदेवाडी फाटे के पास सुबह करीब 11 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार सवार लोग तुलजापुर में दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार की महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की बस से टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना का दृश्य पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। पुलिस फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों की जानकारी

खराब सड़क को लेकर लोगों में नाराजगी आंदोलन शुरू

के आधार पर मामले की जांच कर रही है। सामने आए दृश्य में कार और बस की टक्कर दिखाई दे रही है। हादसे में कार सवार पांच लोगों की जान चली गई। एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगा रही है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क की खराब हालत पर नाराजगी जताते हुए रास्ता रोकें आंदोलन किया। लोगों का आरोप है कि मार्ग पर गड़बड़े और दरारें दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा रहे हैं। उन्होंने सड़क निर्माण में कथित लापरवाही की जांच और जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सामाजिक माध्यमों से आतंकी संगठनों के संपर्क में थे दो युवक, एक गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के कलबुर्गी में आतंकी संगठनों से सामाजिक माध्यमों के जरिए संपर्क रखने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविवार को बताया कि केंद्रीय एजेंसियों और राज्य के आंतरिक सुरक्षा विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हिरासत में लिया था। जांच के दौरान एक युवक का संदिग्ध आतंकी नेटवर्क से लगातार संपर्क सामने आया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दूसरे युवक की भूमिका की जांच जारी है। अधिकारियों की ओर से मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। गृह मंत्री के अनुसार, पिछले दो से तीन महीनों में इस तरह के पांच मामले सामने आए हैं। इन मामलों में शामिल लोग उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के रहने वाले बताए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां सामाजिक माध्यमों के जरिए संदिग्ध संपर्कों और गतिविधियों की जांच कर रही हैं।

धैर्य और मर्यादा अग्रवाल समाज की पहचान : मुरारी अग्रवाल

यूनिक समय, मथुरा। अग्रसेन मार्ग स्थित केदार धाम के माधवी पंडाल में श्री अग्रबंधु सभा के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह के साथ हुआ। बच्चों की प्रस्तुतियों ने समाजबंधुओं का मन मोह लिया।

मुख्य संरक्षक मुरारी अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज की पहचान धैर्य, मर्यादा और अनुशासन रही है। शोभायात्रा में समाजबंधुओं और महिलाओं ने एकजुटता से भाग लिया। 101 स्थानों पर स्वागत हुआ।

प्रमुख समाजसेवी विपिन किरोड़ी को कर्मवीर सम्मान दिया गया। मुरारी अग्रवाल ने कुलदेवी महालक्ष्मी को चांदी



कार्यक्रम में सम्मानित किए गए अग्र बंधुओं के साथ मुख्य संरक्षक मुरारी अग्रवाल।

का गिलास भेंट कर समृद्धि की प्रार्थना की।

अग्रसेन स्वरूप बने हरीश जैन सर्राफ को चांदी की तलवार भेंट की गई।

पूर्व अध्यक्ष किशोर भरतिया ने समाज में सद्भाव और परस्पर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। महिला सभा अध्यक्ष रितु अग्रवाल और महामंत्री शिल्पी शोरा

विपिन किरोड़ी को मिला कर्मवीर सम्मान, अग्रसेन महोत्सव संपन्न

को सम्मानित किया गया। वरुण गर्ग, अवधेश सर्राफ जौली, गोविन्द अग्रवाल बिजली वाले, अनमोल बंसल, मितेश बंसल, प्रवीन दाल वाले और देवेन्द्र अग्रवाल सहित प्रतियोगिता विजेताओं व संयोजकों को सम्मान मिला। आशीष अग्रवाल, विनय जैन, अनिल भाई ड्रेस वाले, रविप्रकाश अग्रवाल, बृजबिहारी गुड्डा, हरीश गिलट, विनय अग्रवाल अंगूठी वाले, उमेश अग्रवाल गिलट वाले, सुनील बंसल, बाँबी हाथी वाले, राकेश गर्ग आढ़ती, कन्नू सर्राफ और आशू मधुरम मौजूद रहे।

विश्व खाद्य दिवस पर अन्नपूर्णा फाउंडेशन ने सजाया बच्चों का कार्निवाल



कार्यक्रम का शुभारंभ करते व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, विवेक अग्रवाल, सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा आदि।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व खाद्य दिवस पर अन्नपूर्णा फाउंडेशन ने मसानी बायपास लिंक रोड स्थित एक स्थानीय होटल में किड्स कार्निवाल का आयोजन किया। इसमें स्ट्रीट स्कूलों में पढ़ने वाले स्लम क्षेत्रों के लगभग 400 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने मनपसंद व्यंजनों का स्वाद चखने के साथ आकर्षक उपहार पाकर खुशी जाहिर की।

कार्यक्रम में बच्चों के मनोरंजन के लिए गेम जोन बनाया गया, जहां उन्होंने विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने ऊंट और घोड़े की सवारी का भी आनंद उठाया। वहीं, जादूगर की रोचक प्रस्तुतियों ने बच्चों और अतिथियों का मन मोह लिया। रंगारंग कार्यक्रमों से पूरा आयोजन उत्साह और उमंग से भर गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ किशन सिंह

400 बच्चों ने चखा मनपसंद व्यंजनों का स्वाद, उपहार पाकर खिले चेहरे

चौधरी कुलाधिपति, केएम विश्वविद्यालय-जिला पंचायत अध्यक्ष, रविकांत गर्ग अध्यक्ष, व्यापारी कल्याण बोर्ड, अनुपम मिश्रा सिटी मजिस्ट्रेट, विवेक अग्रवाल जीएलए अभियंता, विद्युत विभाग, विजय बंडा, लोकेश गर्ग, नवीन मित्तल और प्रदीप गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर किया। अन्नपूर्णा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

मथुरा की डॉ. लक्ष्मी को दिल्ली में मिला प्रतिष्ठित अवार्ड



डॉ. लक्ष्मी कुनियाल को विशिष्ट शिक्षक सम्मान देती अतिथि।

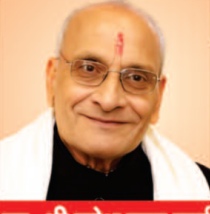
यूनिक समय, मथुरा। मथुरा की एसोसिएट प्रोफेसर- पदरिग विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मी कुनियाल को नई दिल्ली में आयोजित विमेन ऑप्थल्मोलॉजिस्ट सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन में प्रतिष्ठित इसाबेल हायेस चैपिन बैरोज अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान विशिष्ट शिक्षक के रूप में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

डॉ. लक्ष्मी को यह अवार्ड विमेन ऑप्थल्मोलॉजिस्ट सोसाइटी की अध्यक्ष-अखिल भारतीय नेत्र रोग संघ के पूर्व अध्यक्ष ने प्रदान किया। वह

चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए हुई सम्मानित

डीएनबी और एमएस के छात्र-छात्राओं को पढ़ाने के लिए मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर शिक्षिका है।

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को इस सम्मान के माध्यम से सराहा गया है। डॉ. लक्ष्मी को इससे पहले भी दिल्ली में सम्मानित किया जा चुका है। उनकी इस उपलब्धि से मथुरा का गौरव बढ़ा है।



उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय श्री रमेश चंद्र गर्ग (टेंट वाले) पुत्र स्वर्गीय श्री गोपाल दास जी का गोलोकवास दिनांक 16.10.26 को हो गया है। उठावनी दिनांक 19.10.26 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक नेशनल चैम्बर दिल्ली मसानी लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोककुल:- श्रीमती हीरा देवी (पत्नी) बृजेश (बंटी)-वंदना, योगेश (जौली)-ज्योति (पुत्र-पुत्रवधू) गीता (डिंपल) स्व. मनीष जी (पुत्री-दामाद) महेश चंद्र, सुभाष अग्रवाल (एडवोकेट) अशोक कुमार, गोविंद प्रसाद, उमेश चंद्र, संजय, संजीव, मनोज, प्रहलाद दास (भाई) ललिता (लाडो) स्व. जगदीश बंसल जी (बहन-बहनोई) आयुषी अंकित जी (पुत्री-दामाद) अखिल, भरत (भतीजे) यश, दर्श, कीर्ति, दिव्यांशी (पुत्र-पुत्री) युव (विभोर) (पुत्री) (पुत्री) एवं समस्त चचे अग्रवाल टेंट परिवार

फर्म: लड़्डूगोपाल श्रृंगार मसानी, मथुरा मो. 9927251999, 9368933933

ससुराल पक्ष: हरी बाबू (साले) राजकुमार, पवन, योगेंद्र, आशीष, नारायण, रोहित (भतीजेगण) गऊघाट, मथुरा।

लक्ष्मण को लगी शक्ति हनुमान ले आए संजीवनी बूटी



रामलीला मंचन के दौरान लक्ष्मण पर शक्ति का प्रहार करता मेघनाथ।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीरामलीला सभा के तत्वावधान में विभीषण शरणागति, अंगद-रावण संवाद एवं लक्ष्मण शक्ति लीला का मंचन दिन में रामलीला मैदान और रात्रि में चित्रकूट लीला मंच पर किया गया। रावण द्वारा अपमानित किए जाने पर विभीषण श्रीराम की शरण में पहुंचे। प्रभु ने उन्हें हृदय से लगाकर समुद्र के जल से राज्याभिषेक किया। समुद्र से मार्ग मिलने के बाद रामसेना ने लंका की ओर प्रस्थान किया। अंगद ने रावण की सभा में पहुंचकर उसे समझाया, लेकिन वह नहीं माना। युद्ध में मेघनाद की शक्ति से लक्ष्मण मूर्छित हो गए। हनुमानजी संजीवनी बूटी लेकर पहुंचे, जिससे लक्ष्मण की चेतना लौटने पर रामादल राजकुमार स्तुति या ने की। लीला में गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, जयन्ती प्रसाद

विभीषण शरणागति अंगद-रावण संवाद और लक्ष्मण शक्ति लीला का मंचन

अग्रवाल, जुगल किशोर अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रदीप कुमार सर्राफ पीके, विजय किरोड़ी, शैलेश अग्रवाल सर्राफ, अजय मास्टर, पं. शशांक पाठक, चिंताहरण चतुर्वेदी, सुरेन्द्र शर्मा खौना, प्रदीप गोस्वामी, गोपाला चतुर्वेदी, संजय बिजली, अनूप टैण्ट, विनोद सर्राफ, शैलेंद्र हकीम, पं. अमित भारद्वाज, उमेश बिजली, किस्सो शर्मा, विष्णु शर्मा और रामगोपाल शर्मा मौजूद रहे। 19 अक्टूबर को कुंभकरण वध, मेघनाद वध और सुलोचना सती की लीला होगी।

बाली-सुग्रीव लीला में न्याय सती मोह प्रसंग ने किया भावुक

यूनिक समय, कोसीकलां। रामलीला संस्थान के रामलीला महोत्सव में रविवार को तालाब शाही स्थित रामलीला मैदान में बाली-सुग्रीव और सती मोह लीला का मंचन किया गया। बाली वध के प्रसंग ने न्याय और मित्रता का संदेश दिया, जबकि सती मोह लीला ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया।

बाली द्वारा सुग्रीव को राज्य से निष्कासित कर उसकी पत्नी को अपने अधिकार में लेने के बाद भयभीत सुग्रीव ने ऋष्यमूक पर्वत पर शरण ली। उनकी पीड़ा देखकर भगवान श्रीराम ने मित्रता का धर्म निभाते हुए बाली का वध किया और सुग्रीव को न्याय दिलाया। इस प्रसंग पर मैदान जय श्रीराम के उद्घोष से गुंज उठा।

सती मोह प्रसंग में माता सती को भगवान शिव के वचनों पर संदेह होने और प्रभु श्रीराम की परीक्षा लेने जाने का दृश्य दिखाया गया। मोहवश उठाए गए इस कदम के परिणामस्वरूप उन्हें आत्मगलानि हुई। अंततः उन्होंने योगाग्नि में देह त्याग दी। लीला ने भक्ति में विश्वास और समर्पण का संदेश दिया। इससे पूर्व लाला



रामलीला मंचन के दौरान श्रीराम के स्वरूप को बेर खिलती शबरी।

यालाल स्मृति भवन से हनुमानजी का डोला और तोतामण्डल मंदिर से बाली-सुग्रीव की शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के बीच डोला रामलीला मैदान पहुंचा।

इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष गिरिज सिंह, राहुल जैन कामियां, खगेंद्र सिंह उर्फ बाँबी ठाकुर, मंत्री हैप्पी गर्ग, अनुराग तायल, सोनू हलवाई, नवल अग्रवाल, हरीश बिंदल, देवेश गौड़, मनीष गुप्ता गुड़ वाले, अमित जैन और नवांशु अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी- सदस्य मौजूद रहे।

स्व. सुरेश चन्द्र अग्रवाल की जयंती पर मेगा स्वास्थ्य शिविर

यूनिक समय, मथुरा। स्व. सुरेश चन्द्र अग्रवाल (सुपारी वालों) की 75वीं जयंती पर प्रथम पहल फाउंडेशन ने प्रथम पहल धर्मार्थ क्लीनिक के तत्वावधान में रविवार को ग्रीन वैली पर निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। इसमें 250 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर नवल गिरि की उपस्थिति रही। शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दिवाकर गोयल, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिताभ पांडेय, पेट एवं गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर शर्मा, त्वचा और नाखून रोग विशेषज्ञ डॉ. तेजस्विनी शर्मा, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ गोयल, कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. रीना गोयल ने मरीजों की जांच कर निःशुल्क परामर्श दिया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, ब्लड



स्व. सुरेश चन्द्र अग्रवाल की जयंती पर आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में मौजूद आयोजक कन्हैया लाल अग्रवाल, चिकित्सक आदि।

ग्रुप की जांच के साथ डिजिटल एक्स-रे और ईसीजी की सुविधा भी उपलब्ध रही।

इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल, संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, संरक्षक गोवर्धन दास अग्रवाल, महेश चंद कसेरे, निवर्तमान अध्यक्ष प्रभात कुमार अग्रवाल, हरीश

कुमार जैन, मंत्री प्रियेश अग्रवाल, नारायण हरि गोयल, कोषाध्यक्ष पंकज तालीवाल, रूपेश अग्रवाल, योगेश सर्राफ, मनोज कुमार बंसल, अनुपम शर्मा, आशीष खंडेलवाल, योगेश गोयल, योगेंद्र गोयल, गजानंद अग्रवाल और सुरेश चंद बंसल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।